मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 7 अंक 148
गुरुवार, 12 दिसम्बर 2024
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

दहेज उत्पीड़न मामलों में कानून का दुरुपयोग रुकना चाहिएः सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 11 दिसम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने विवाहित महिलाओं द्वारा अपने पतियों और ससुराल वालों को स्वार्थ के लिए परेशान करने के लिए क्रूरता कानून के बड़े पैमाने पर इस्तेमाल पर चिंता व्यक्त की। सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी तेलंगाना हाईकोर्ट के उस आदेश को खारिज करते हुए की, जिसमें एक महिला द्वारा अपने पति, उसके माता-पिता और परिवार के अन्य सदस्यों के खिलाफ दर्ज दहेज उत्पीड़न के मामले को खारिज करने से इनकार कर दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने महिलाओं को उनके ससुराल वालों की क्रूरता से बचाने वाले कानूनों के 'दुरुपयोग की बढ़ती प्रवृत्ति' को चिह्नित किया और कहा कि अदालतों को निर्दोष लोगों के अनावश्यक उत्पीड़न को रोकने के लिए दहेज

उत्पीड़न के मामलों का फैसला करते समय सावधानी बरतनी चाहिए।

आत्महत्या से ठीक पहले, अतुल सुभाष ने 80 मिनट का एक वीडियो रिकॉर्ड किया था जिसमें उन्होंने अपनी अलग रह रही पत्नी निकिता सिंघानिया और उनके परिवार पर पैसे ऐंठने के लिए उन पर और उनके परिवार पर कई मामले दर्ज करने का आरोप लगाया था। इसके अलावा अतुल ने अपने 24 पेज के सुसाइड नोट में न्याय व्यवस्था की भी आलोचना की है। एक मामले (दारा लक्ष्मी नारायण और अन्य बनाम तेलंगाना राज्य और अन्य) की सुनवाई करते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 498ए, जो विवाहित महिलाओं के खिलाफ पतियों और उनके रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता को दंडित करती है, का दुरुपयोग किया जा रहा है। मामले की सुनवाई करते हुए, जस्टिस बीवी नागरत्ना और एन कोटिस्वर सिंह की शीर्ष अदालत की पीठ ने कहा कि कभी-कभी प्रावधान, जिसका उद्देश्य मूल रूप से महिलाओं को घरेलू हिंसा और उत्पीड़न से बचाना था, का कुछ महिलाओं द्वारा अपने पति और उसके परिवार को अनुपालन करने के लिए मजबूर करने के लिए शोषण किया जा रहा था। सुप्रीम कोर्ट ने पत्नी द्वारा अपने पति और ससुराल वालों के खिलाफ दायर क्रूरता और दहेज के मामलों को खारिज करते हुए यह टिप्पणी की। यह याचिका पति और उसके परिवार के सदस्यों द्वारा दायर की गई थी, जिसमें मामले को खारिज करने से तेलंगाना उच्च न्यायालय के इनकार को चुनौती दी गई थी। पति द्वारा तलाक मांगे जाने के बाद पत्नी ने मामला दर्ज कराया था। दलीलों की समीक्षा करने के बाद, सुप्रीम कोर्ट ने निष्कर्ष निकाला कि पत्नी ने व्यक्तिगत शिकायतों को निपटाने के लिए मामले दायर किए थे और वह कानूनी प्रावधानों का दुरुपयोग कर रही थी, जिसका उद्देश्य उसकी रक्षा करना था।

अरविंद केजरीवाल ने इलेक्शन कमीशन से की मुलाकात, बीजेपी के खिलाफ 3000 पन्नों के दिए सबूत

नई दिल्ली, 11 दिसम्बर। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और सीएम आतिशी मुख्य चुनाव आयुक्त से मिलने चुनाव आयोग पहुंचे थे। केजरीवाल ने बीजेपी पर वोटर लिस्ट से वोट काटने की कोशिश का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि आज हमने चुनाव आयोग से मुलाकात की और उनके सामने 3000 पन्नों के सबूत सौंपे कि कैसे बीजेपी दिल्ली के लोगों के वोट काटने की साजिश कर रही है। गरीबों, अनुसूचित जाति और दलितों के वोट काटे जा रहे हैं। एक वोट का महत्व आप भली-भांति जानते हैं।

केजरीवाल ने आगे कहा कि हमने चुनाव आयुक्त को बताया कि कैसे एक बीजेपी सदस्य ने शाहदरा इलाके में 11,000 लोगों के वोट काटने का काम किया। इसके साथ

ही उन्होंने कहा कि हमने चुनाव आयोग से अनुरोध किया है कि चुनाव से पहले बड़े पैमाने पर नाम हटाने की प्रक्रिया को रोका जाए और उन लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए जिन्होंने बड़े पैमाने पर नाम हटाने का आवेदन किया है। एउ ने कहा है कि चुनाव से पहले कोई भी बड़े पैमाने पर डिलीट नहीं किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि भाजपा के कार्यकताओं ने विभिन्न विधानसभाओं में हजारों मतदाताओं के नाम काटने की आवेदन चुनाव आयोग को दी हैं। चुनाव आयोग ने भी इन आवेदन पर चोरी-छिपे काम करना शुरू कर दिया है। केंद्रीय चुनाव आयोग ने हमारी शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए एक्शन लेने का आश्वासन दिया है। प्रतिनिधिमंडल में दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी, राज्यसभा सांसद संजय सिंह और राघव चड्ढा और पार्टी नेता जैस्मीन शाह शामिल थे।

बैठक को सफल बताते हुए आप सुप्रीमो ने त्वरित कार्रवाई के लिए चुनाव आयोग का आभार व्यक्त किया। अगले साल फरवरी में होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव नजदीक आने के साथ ही कथित मतदाता विलोपन एक विवादास्पद मुद्दा बन गया है।

दिल्ली वक्फ बोर्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामला, सुप्रीम कोर्ट ने दो लोगों को दी जमानत

नई दिल्ली, 11 दिसम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली वक्फ बोर्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार दो लोगों को लंबे समय तक जेल में रहने और निकट भविष्य में मुकदमा शुरू होने की संभावना को ध्यान में रखते हुए बुधवार को जमानत दे दी। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने पाया कि मामले में 11 नवंबर, 2023 को गिरफ्तारी के बाद से जीशान हैदर और दाउद नासिर जेल में थे और यहां तक कि उनके खिलाफ अभी तक आरोप भी तय नहीं किए गए हैं। पीठ ने कहा कि अपीलकर्ता लगभग एक वर्ष और एक महीने से हिरासत में हैं। पीएमएलए के तहत दर्ज शिकायत में आरोप तय नहीं किए गए हैं। शिकायत में 29 गवाहों का

हवाला दिया गया है और लगभग 50 दस्तावेजों पर भरोसा किया जा रहा है जो 4,000 से अधिक पृष्ठों में हैं। शीर्ष अदालत ने आगे कहा कि मुकदमा जल्द शुरू होने की संभावना नहीं है क्योंकि आरोप भी तय नहीं किए गए हैं। इसलिए, मामले के तथ्यों और अपीलकर्ताओं द्वारा दिए गए वचनों और पैराग्राफ में जो कहा गया है उसे ध्यान में रखते हुए... सेंथिल बालाजी के मामले में इस अदालत का फैसला. अपीलकर्ताओं को जमानत पर रिहा किया जाना चाहिए। पीठ ने बाद में लोगों को जमानत की औपचारिकताएं पूरी करने के लिए एक सप्ताह के भीतर विशेष अदालत के समक्ष पेश करने और उचित नियमों और शर्तों पर जमानत पर रिहा करने का निर्देश दिया, जिसमें शीर्ष अदालत में दायर उपक्रमों का पालन करना भी शामिल है। पीठ ने कहा कि उसके समक्ष दायर अपीलकर्ताओं के 6 दिसंबर और 9 दिसंबर, 2024 के उपक्रम रिकॉर्ड का हिस्सा होंगे, और इसका अनुपालन जमानत की शर्त होगी।

बांग्लादेश के दौरे पर विदेश सचिव, अल्पसंख्यकों पर हमले को लेकर जताई चिंता

ढाका, 11 दिसम्बर। बांग्लादेश के आधिकारिक दौरे पर पहुंचे विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार डॉ. मुहम्मद यूनुस और विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन से मुलाकात की और पड़ोसी देश में अल्पसंख्यकों पर लगातार हो रहे हमले को लेकर चिंता जताई। मिसरी ने अवगत कराया कि नई दिल्ली की इच्छा ढाका के साथ सकारात्मक, रचनात्मक और पारस्परिक रूप से लाभप्रद संबंध बनाने की है।

सोमवार को ढाका पहुंचे मिसरी ने बांग्लादेश के विदेश सचिव जशीम उद्दीन के साथ विदेश कार्यालय परामर्श भी किया। विदेश सचिव ने आपसी विश्वास और सम्मान तथा एक-दूसरे की चिंताओं और हितों के प्रति आपसी संवेदनशीलता के आधार पर बांग्लादेश के साथ सकारात्मक और रचनात्मक संबंध बनाने की भारत की इच्छा को दोहराया। इस बात पर जोर देते हुए कि भारत-बांग्लादेश संबंधों में लोग मुख्य हितधारक हैं, उन्होंने कहा कि भारत का विकास सहयोग और बांग्लादेश के साथ बहुआयामी जुड़ाव, जिसमें कनेक्टिविटी, व्यापार, बिजली, ऊर्जा तथा क्षमता निर्माण के क्षेत्र शामिल हैं, सभी बांग्लादेश के लोगों के लाभ के लिए हैं।

विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, विदेश सचिव ने हाल के कुछ घटनाक्रमों और मुद्दों पर भी चर्चा की और भारत की चिंताओं, खासकर अल्पसंख्यकों की

सुरक्षा और कल्याण से संबंधित चिंताओं से अवगत कराया। उन्होंने सांस्कृतिक, धार्मिक और राजनयिक संपत्तियों पर हमलों की कुछ खेदजनक घटनाओं को भी उठाया। विदेश कार्यालय परामर्श के दौरान, दोनों पक्षों ने राजनीतिक और सुरक्षा मामलों, सीमा प्रबंधन, व्यापार, वाणिज्य और संपर्क, जल, बिजली और ऊर्जा क्षेत्रों में सहयोग, विकास सहयोग, कांसुलरी, सांस्कृतिक और लोगों के बीच संबंधों को कवर करने वाले कई मुद्दों पर व्यापक चर्चा की। उन्होंने उप-क्षेत्रीय, क्षेत्रीय और बहुपक्षीय मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया और बिम्सटेक ढांचे के तहत क्षेत्रीय एकीकरण को आगे बढ़ाने के लिए परामर्श और सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। अगस्त में प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार के अपदस्थ होने के बाद भारत की ओर से यह पहला उच्च-स्तरीय दौरा है। विदेश सचिव की यात्रा भारत और बांग्लादेश के बीच द्विपक्षीय जुड़ाव को बनाए रखने में मदद करेगी, ताकि चिंताओं को दूर करने के साथ-साथ संबंधों में महत्वपूर्ण मुद्दों को आगे बढ़ाया जा सके।

सदन और समाज की सहमति हो तो एआई के उपयोग पर कानून लाने को तैयार: अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली, 11 दिसम्बर। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को लोकसभा में कहा कि अगर सदन और समाज की सहमति होगी तो सरकार कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उपयोग के संदर्भ में कानून लाने के लिए तैयार है। उन्होंने सदन में कांग्रेस सांसद अदूर प्रकाश के पूरक प्रश्न के उत्तर में यह जानकारी दी। अदूर प्रकाश ने सवाल किया था कि क्या एआई के उपयोग के विनियमन को लेकर सरकार की कोई कानून बनाने की योजना है? इस के जवाब में वैष्णव ने कहा कि सोशल मीडिया के इस दौर में दुनिया भर का समाज चुनौतियों का सामना कर रहा है तथा फर्जी समाचार और फर्जी विमर्श से जुड़ी चुनौतियां हैं। उनका कहना था कि इसे (कानून को) लेकर

व्यापक सहमति की जरूरत है क्योंकि ये मुद्दे ऐसे हैं जिनसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता जुड़ी है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, इस पर चर्चा की जरूरत है। अगर सदन सहमत हो और समाज में व्यापक सहमति हो तो हम नया कानून ला सकते हैं। हम इसके लिए तैयार हैं। वैष्णव ने यह भी कहा कि मोदी सरकार प्रौद्योगिकी का लोकतंत्रीकरण करने में विश्वास रखती है, जो कांग्रेस शासन के दौरान नहीं था।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के कार्यों ने भारत की गरिमा को ठेस पहुंचाई हैः खड़गे

नई दिल्ली, 11 दिसम्बर। इंडिया ब्लॉक के नेताओं ने बुधवार को राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने के अपने कदम का बचाव किया और कहा कि उन्हें लोकतंत्र को बचाने के लिए कदम उठाने के लिए मजबूर होना पड़ा क्योंकि सभापति राज्यसभा के सबसे बड़े विघटनकर्ता हैं और उनके आचरण ने राष्ट्र के गौरव को नुकसान पहुंचाया है। कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे ने जगदीप धनखड़ को 'सरकारी प्रवक्ता' कहा। खड़गे ने बुधवार दोपहर एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि धनखड़ के कार्यों ने भारत की गरिमा को ठेस पहुंचाई है और राज्यसभा सभापति के खिलाफ कोई व्यक्तिगत लड़ाई नहीं है।

धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने के नोटिस के बारे में बोलते हुए खड़गे ने जगदीप धनखड़ की भी आलोचना की और उन्हें सबसे बड़े सरकारी प्रवक्ता के रूप में संदर्भित किया और कहा कि राज्यसभा में व्यवधान का सबसे बड़ा कारण स्वयं सभापति हैं। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि इंडिया ब्लॉक ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को हटाने की मांग को लेकर राज्यसभा में एक प्रस्ताव लाने के लिए एक नोटिस प्रस्तुत किया है। विपक्ष के कदम पर बात करते हुए खड़गे ने इस बात पर जोर दिया कि 1952 के बाद से किसी उपराष्ट्रपति को हटाने का कोई प्रस्ताव नहीं लाया गया है, क्योंकि इस पद पर रहने वाले लोग निष्पक्ष और राजनीति से परे थे और सदन को हमेशा नियमों के अनुसार चलाते थे। खड़गे ने कहा कि सदन में लंबा अनुभव रखने वाले कई नेता हैं। सदन में जो सदस्य हैं, वे डॉक्टर, प्रोफेसर, पत्रकार समेत अनेक पेशे से जुड़े रहे हैं और कई सदस्य मंत्री भी रह चुके हैं। सभापति सदन में हेडमास्टर की तरह सदस्यों की स्कूलिंग करते हैं। उनको प्रवचन सुनाते हैं। यदि विपक्ष के सांसद सदन में 5 मिनट बोलते हैं, तो 10 मिनट खुद सभापति बोलते हैं। सदन में विपक्ष के सांसदों को बोलने से रोका जाता है। सभापति की निष्ठा संविधान और संवैधानिक परंपराओं की जगह सत्ता पक्ष के लिए है। उन्होंने कहा कि सभापति अपने अगले प्रमोशन के लिए सरकार के प्रवक्ता बनकर काम कर रहे हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि मुझे यह कहते हुए संकोच नहीं है कि सदन अगर बाधित होता है तो उसके सबसे बड़े कारण सभापति हैं। सभापति दूसरों को सबक सिखाते हैं और स्वयं बार-बार व्यवधान उत्पन्न करते हैं।

"स्वच्छ जल से ही स्वस्थ जीवन"
सस्ते एवं उचित दर पर, आपकी सेवा में समर्पित, एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें

दिल्ली में जाति की सियासी सवारी, कौन देगा सत्ता की चाबी?

-अजय कुमार

दिल्ली विधानसभा चुनावों की सियासी बिसात इस बार कुछ खास तरीके से बिछाई जा रही है। राजधानी की राजनीति में हर चुनाव के साथ कुछ नया समीकरण बनते हैं और हर बार यही सवाल उठता है कि कौन सा जाति या समुदाय सत्ता की चाबी मुहैया कराएगा। दिल्ली की सियासत में जाति और धर्म के समीकरण बेहद अहम होते हैं, जिन्हें सटीक पहचान कर ही कोई पार्टी सत्ता तक पहुंच सकती है। जहां आम आदमी पार्टी अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए विभिन्न समुदायों को साधने में जुटी है, वहीं बीजेपी और कांग्रेस भी अपनी खोई हुई जमीन पर वापस कब्जा करने के लिए काम कर रही हैं। इस सबके बीच जातीय समीकरणों की अहमियत में कोई कमी नहीं आई है, बल्कि यह और मजबूत होते जा रहे हैं।

दिल्ली में चुनावी नतीजों की दिशा तय करने वाले प्रमुख फैक्टर जाति, धर्म और क्षेत्रीय समीकरण हैं। राजधानी में 70 विधानसभा सीटें हैं, जिन पर चुनावी समीकरण अलग-अलग हैं। अगर हम दिल्ली के पिछले चुनावी नतीजों पर नजर डालें, तो यह साफ दिखाई देता है कि सत्ता के सिंहासन तक पहुंचने के लिए प्रमुख रूप से पूर्वांचली, पंजाबी, जाट, वैश्य, ब्राह्मण और दलित समुदाय के वोट निर्णायक भूमिका निभाते हैं। दिल्ली के चुनावी मैदान में जातीय समीकरण इतने मजबूत हैं कि हर पार्टी अपनी रणनीति को इन समीकरणों के हिसाब से तैयार करती है। इस बार भी यही समीकरण सत्ता की दिशा तय करेंगे।

दिल्ली की राजनीति में जातीय समीकरणों के साथ-साथ धार्मिक समीकरण भी अत्यधिक प्रभावी होते हैं। दिल्ली की कुल 81 प्रतिशत आबादी हिंदू समुदाय से आती है, जबकि मुस्लिम समुदाय का वोट बैंक करीब 12 प्रतिशत है। इसके अलावा सिख और अन्य छोटे समुदाय जैसे ईसाई और जैन भी दिल्ली में रहते हैं। दिल्ली की जातीय संरचना में पूर्वांचली समुदाय का विशेष योगदान है, जो लगभग 25 प्रतिशत मतदाता हैं। यह समुदाय दिल्ली में लगभग 17 से 18 विधानसभा सीटों पर निर्णायक भूमिका निभाता है। किराड़ी, बुराड़ी, उत्तम नगर, संगम विहार, बादली, गोकलपुरी जैसी सीटों पर पूर्वांचली वोट अहम हैं। इस समुदाय में विभिन्न जातियों के लोग शामिल हैं, जो दिल्ली में विभिन्न क्षेत्रों से आए हैं। पूर्वांचली वोटरों का एक बड़ा हिस्सा इस बार आम आदमी पार्टी के साथ जुड़ा हुआ है, लेकिन बीजेपी भी इस वोट बैंक को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए कोशिशें कर रही है।

पूर्वांचली समुदाय का महत्व इस बार और बढ़ गया है, क्योंकि यह समुदाय अपनी पूरी ताकत के साथ चुनावी मैदान में उतरा है। खासकर उत्तम नगर, बुराड़ी, और मटियाला जैसे क्षेत्रों में पूर्वांचली मतदाता की संख्या 40 प्रतिशत से अधिक है, जो चुनाव के परिणाम को प्रभावित कर सकते हैं। यही कारण है कि आम आदमी पार्टी और बीजेपी दोनों ही पार्टियां इस समुदाय के वोटों को लुभाने के लिए अपनी पूरी रणनीति बना रही हैं। दिल्ली के चुनावी माहौल में इस समुदाय की अहम भूमिका और भी ज्यादा बढ़ गई है।

इसके अलावा दिल्ली में पंजाबी समुदाय की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। पंजाबी वोट बैंक दिल्ली की राजनीति में काफी अहम भूमिका निभाता है। दिल्ली में लगभग 30 प्रतिशत आबादी पंजाबी समाज की है, जिसमें 10 प्रतिशत पंजाबी खत्री और 5 प्रतिशत सिख वोटर्स शामिल हैं। दिल्ली की कई विधानसभा सीटों पर पंजाबी समुदाय का प्रभाव देखा जाता है, खासकर विकासपुरी, राजौरी गार्डन, हरी नगर, तिलक नगर, जनकपुरी, मोती नगर, ग्रेटर कैलाश, जंगपुरा, कालका जी और रोहिणी सीटों पर पंजाबी वोट निर्णायक होते हैं। पंजाबी वोट बैंक पर हमेशा से बीजेपी का दबदबा रहा है, लेकिन अब कांग्रेस और आम आदमी पार्टी भी इस वोट बैंक को साधने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक रही हैं।

दिल्ली के चुनावी इतिहास में एक दौर ऐसा भी था जब पंजाबी वोट बीजेपी का परंपरागत वोट बैंक था। मदनलाल खुराना, विजय कुमार मल्होत्रा और केदारनाथ साहनी जैसे नेताओं के कारण बीजेपी पंजाबी वोट बैंक पर मजबूत पकड़ बना पाई थी। आज भी बीजेपी इस वोट बैंक के सहारे सत्ता में वापसी करना चाहती है, इसके लिए बीजेपी ने पंजाबी समाज से जुड़े वीरेंद्र सचदेवा को पार्टी की कमान सौंप रखी है। वहीं आम आदमी पार्टी ने पंजाबी समुदाय से जुड़े अतिशी को टिकट दिया है। इस बार पंजाबी वोटों के लिए तीव्र प्रतिस्पर्धा देखने को मिल सकती है।

दिल्ली के बाहरी इलाकों में जाट समुदाय की अहम भूमिका है। जाट समुदाय की संख्या दिल्ली में लगभग 8 प्रतिशत है और यह बाहरी दिल्ली में निर्णायक भूमिका निभाता है। दिल्ली के 364 गाँवों में से करीब 225 गाँव जाट बहुल हैं, और इनका चुनावी प्रभाव बाहरी दिल्ली की विधानसभा सीटों पर खासा है। जाट वोटरों का प्रमुख समर्थन बीजेपी को मिलता रहा है, खासकर स्व. साहेब सिंह वर्मा की वजह से, जो एक समय में बीजेपी के जाट चेहरा माने जाते थे। उनके बेटे प्रवेश सिंह वर्मा फिलहाल दिल्ली से सांसद हैं और पार्टी के जाट चेहरा माने जाते हैं। जाट समुदाय की ओर से बीजेपी को समर्थन मिलने की संभावना इस बार भी बनी हुई है, क्योंकि इस समुदाय का प्रभाव बाहरी दिल्ली की सीटों पर बहुत ज्यादा है।

दिल्ली के दलित समुदाय का भी चुनावी नतीजों पर गहरा असर पड़ता है। दिल्ली में दलितों की आबादी लगभग 17 प्रतिशत है, और इनमें जाटव, बाल्मीकि, रैगर जैसे जातियाँ शामिल हैं। दलितों के लिए 12 सीटें आरक्षित हैं, और इन सीटों पर दलित मतदाताओं की निर्णायक भूमिका होती है। करोल बाग, पटेल नगर, मोती नगर, दिल्ली कैंट, राजेंद्र नगर जैसी सीटों पर दलित समुदाय का वोट काफी प्रभावी होता है। कांग्रेस, बीजेपी और आम आदमी पार्टी सभी दल इस समुदाय को लुभाने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक रहे हैं, क्योंकि दलित समुदाय का वोट निर्णायक साबित हो सकता है।

ब्राह्मण और वैश्य समाज भी दिल्ली की राजनीति में अहम भूमिका निभाते हैं। दिल्ली में ब्राह्मण वोटर्स की संख्या लगभग 10 प्रतिशत है, और वैश्य समाज की संख्या भी लगभग 8 प्रतिशत है। इन दोनों समुदायों के वोट दिल्ली की चुनावी राजनीति में बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। बीजेपी और कांग्रेस दोनों ही इन समुदायों को अपने पक्ष में लाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। विशेष रूप से ब्राह्मण समाज का वोट बीजेपी के लिए महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि वैश्य समाज का वोट इस समय आम आदमी पार्टी के साथ जुड़ा हुआ है। दिल्ली में मुस्लिम समुदाय की भी अपनी अहम भूमिका है। मुस्लिम समुदाय दिल्ली में लगभग 12 प्रतिशत है और यह समुदाय कुछ सीटों पर निर्णायक भूमिका निभाता है। बल्लीमारान, चांदनी चौक, मटिया महल, बाबरपुर, मुस्तफाबाद, ओखला, त्रिलोकपुरी जैसी सीटों पर मुस्लिम वोटरों का प्रभाव ज्यादा है। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी मुस्लिम वोटों को अपनी तरफ आकर्षित करने के लिए मुस्लिम उम्मीदवार उतारती रही हैं, और बीजेपी भी इस समुदाय के बीच अपनी पैठ बनाने की कोशिश करती रहती है। इन सभी जातीय, धार्मिक और क्षेत्रीय समीकरणों के बीच दिल्ली विधानसभा चुनाव एक बार फिर सियासी तापमान को बढ़ा रहा है। यह तय करना मुश्किल है कि किस पार्टी को किस समुदाय का कितना समर्थन मिलेगा, लेकिन यह सच है कि जातीय समीकरण चुनावों के परिणाम पर महत्वपूर्ण असर डालते हैं। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि कौन सी पार्टी इस बार इन समीकरणों का सही उपयोग कर सत्ता तक पहुंचने में कामयाब होती है।

ट्रैक्टर ट्राली से टकराकर व्यक्ति की मौत

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। बभनी थाना क्षेत्र के बभनी-अम्बिकापुर मार्ग पर पेट्रोल पंप के पास बाइक सवार व्यक्ति ट्रैक्टर-ट्राली से टकरा गया। घटना में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति की उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। जगरनाथ (55) पुत्र स्व.नान्हू गुप्ता निवासी दरनखांड़ बभनी मंगलवार को साप्ताहिक बाजार करके अपने घर दरनखांड़ जा रहे थे। जैसे ही रेंज आफिस के आगे बढ़े, वहां ट्रैक्टर की ट्राली से टकरा गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। आस-पास के लोगों ने पीआरबी 112 को सूचित किया। पुलिस व ग्रामीणों ने घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बभनी ले गए। जहां हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। जगरनाथ की हालत बिगड़ती जा रही थी। हालत गंभीर देख प्राथमिक उपचार के बाद उसे ट्रामा सेंटर वाराणसी के लिए रेफर कर दिया। जहां रात में उन्होंने दम तोड़ दिया। मौत की खबर लगते ही घर में चीख-पुकार शुरू हो गई। प्रभारी निरीक्षक सदानंद राय ने बताया कि मौत वाराणसी में हुई है। इसलिए वहीं पर पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जाएगी।

क्या संसद के शीतकालीन सत्र में ठोस मुद्दे गुम है और में बात का बतंगड़ वाले मुद्दे ज्यादा है !

अशोक भाटिया

संसद का शीतकालीन सत्र चल रहा है। 25 नवंबर से शुरू हुआ सत्र अब तक काम से ज्यादा व्यवधान के लिए सुर्खियों में रहा है। विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच गतिरोध जारी है। किसी दिन 10 मिनट तो किसी दिन 15 मिनट सदन चला। आखिर इस गतिरोध के पीछे की वजह क्या है? इससे जनता से जुड़े मुद्दों का कितना नुकसान हो रहा है । ये दुर्भाग्यपूर्ण है कि संसद चल नहीं पा रही है। सिर्फ दो तीन मुद्दे हैं जो महाराष्ट्र चुनाव में उठाए गए थे। वही फिर से दोहराए से जा रहे हैं। जो नारे और जो मुद्दे चुनावी भाषणों में उठाए जा रहे थे, वही सदन में उठाए जा रहे हैं। लोग सकारात्मक बहस देखना और सुनना चाहते हैं। इसमें जितना विपक्ष जिम्मेदार है, उतना ही सत्तापक्ष भी जिम्मेदार है। सदन में ऐसी बातें हो रही हैं, जिनका देश के लोगों से कोई सरोकार नहीं है। पहले यह होता था कि विपक्ष विमर्श से सत्तापक्ष को झुका देता था। प्रश्न यह है कि क्या सांसदों का उद्देश्य सिर्फ संसद को बाधित करना होता है। आजकल यह होता है कि हंगामा जिसने जितना बड़ा कर लिया, वो ज्यादा ताकतवर समझा जा रहा है। ऐसा मत समझिए कि जनता सिर्फ श्रीराम और अल्लाह के नाम पर वोट करती है। सबके जीवन में बुनियादी जरूरतें होती हैं। इसमें सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की जिम्मेदारी है। गंभीर टिप्पणी करने के लिए बहुत अध्ययन की जरूरत होती है, जो आज के जनप्रतिनिधियों में दिखाई नहीं देती है।

सांसदों को भान होना चाहिए कि भारतीय संसद, देश की सर्वोच्च विधायिका, जो जनता की आवाज को बुलंद करने और उनके मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श करने के लिए स्थापित की गई थी, पर सांसद आज जनता के मुद्दों को छोड़ दूसरे विषयों पर चर्चा करने में ज्यादा वक्त जाया कर रही है। यानी भारत की लोकतांत्रिक प्रणाली में जो संसद एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, वहां पिछले कुछ वर्षों में आम जनता से जुड़े मुद्दों पर चर्चा अपेक्षाकृत कम हो गई है। इसका मुख्य कारण राजनीतिक दलों के बीच बढ़ता टकराव और विभिन्न विवादास्पद मुद्दों पर ज्यादा ध्यान दिया जाना है। देशहित में बड़े-बड़े मुद्दों पर बहस होती है, जिसमें धर्म, संस्कृति और समाज का महत्व शामिल होता है, लेकिन इन तमाम चचाओं के बीच, आम जनता के वास्तविक मुद्दे जैसे कहीं खो जाते हैं। विडंबना यह है कि देश की एकता, अखंडता, संविधान और संप्रभुता को बनाए रखने की बात तो की जाती है, लेकिन आम जनता के दुख, पीड़ा और उनकी समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया जाता। निश्चित रूप से यह स्थिति चिंताजनक है और इसका निराकरण जरूरी है। मगर, संसद में बहस और चर्चा के लिए फुर्सत नहीं निकाल पाना भी एक बड़ी समस्या बन गई है।

कई बार महत्वपूर्ण विधेयकों को जल्दबाजी में पारित किया जाता है, जिससे व्यापक चर्चा और जनता की आवाज सुनी नहीं जाती। इससे आम जनता के मुद्दों पर सार्थक बहस की संभावना कम हो जाती है। इसके अलावा, सांसदों का व्यक्तिगत एजेंडा और राजनीतिक दलों की प्राथमिकताएं भी आम जनता के मुद्दों पर कम ध्यान देने का कारण बन जाती हैं। कई बार सांसद अपने निर्वाचन क्षेत्रों से जुड़े मुद्दों को उठाने के बजाय, राष्ट्रीय राजनीति और पार्टी के हितों पर ज्यादा ध्यान केंद्रित करते हैं। झांसी की घटना को वहां के सांसद ने अब तक नहीं उठाया क्योंकि वो भाजपा से हैं और राज्य में भाजपा की सरकार है। दुःख इसी बात का है कि उन मुद्दों पर पर्याप्त चर्चा नहीं हो पाती, जो आम जनता के जीवन को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करते हैं। संसद में विभिन्न मुद्दों पर बहस होती है, जिसमें राजनीति, धर्म और सामाजिक विषयों पर जोर दिया जाता है। ये बहस आवश्यक है, क्योंकि ये देश की दिशा और दशा को निर्धारित करती है, लेकिन क्या यह पर्याप्त है? संसद में रोटी, कपड़ा, मकान के अलावा भी कई बुनियादी समस्याएं हैं, जिन्हें सुलझाने की जरूरत है। कहीं गंदगी का अंबार लगा है, पीने का पानी नहीं है, कहीं सड़क टूटी है तो कहीं सड़क ही नहीं है। बिजली, परिवहन, स्कूल, अस्पताल, पार्क जैसी कई बुनियादी सुविधाओं की मांग को लेकर भी सवाल उठाए जाते हैं, लेकिन उसको कोई तवज्जो नहीं दी जाती है। अलग-अलग क्षेत्रों की समस्याएं भी अलग होती हैं, जिन पर क्षेत्रीय सांसदों का ध्यान केंद्रित होना चाहिए। यह भी सच है कि कई सांसद अपने हिस्से की निधि का पूर्ण उपयोग नहीं कर पाते। इसके बावजूद विपक्ष ने संसद के अंदर जनता के मुद्दों को बुलंद करने की कोशिश की है। यह आवश्यक है कि सभी पार्टियां, चाहे वे सत्ता में हों या विपक्ष में, जनता के मुद्दों को प्राथमिकता दें और उनके समाधान के लिए प्रयासरत रहें। भारत में बेरोजगारी, महंगाई और अन्य सामाजिक समस्याएं, जैसे कि पेपर लीक, किसानों की समस्याएं, और सीमा पर चीन से मिलने वाली चुनौतियां, ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर संसद में चर्चा होना जरूरी है। संसद के मानसून सत्र में आरक्षण, वक्फ बोर्ड और अन्य मुद्दों पर चर्चा हुई, लेकिन जनता के कई मुद्दे गौण हो गए, हालांकि सरकार ने रोजगार बढ़ाने और सृजन करने की मंशा व्यक्त की है, लेकिन वास्तविकता यह है कि भारत जैसे विकासशील देश में रोजगार की समस्या अभी भी प्रमुख है। युवाओं में कौशल और प्रशिक्षण की कमी, बेरोजगारी का एक मुख्य कारण है। सरकार ने बजट में युवाओं में उचित कौशल विकसित करने का लक्ष्य रखा है, जिसके लिए शिक्षा, रोजगार और कौशल विकास को प्राथमिकता दी गई है। यदि, भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाना है, तो युवाओं को रोजगार प्रदान करना एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

देश में प्रदूषण, आतंकवाद, सड़क सुरक्षा और निर्माण संबंधी खतरे जैसे प्रमुख मुद्दे हैं, जिन्हें सार्वजनिक हित के मुद्दे कहा जा सकता है। इन मुद्दों को कानूनी ढांचे के भीतर हल किया जा सकता है, लेकिन आज देश में हर जगह परिवारवाद, भाई-भतीजावाद, जातिवाद, आतंकवाद, क्षेत्रवाद, बढ़ती जनसंख्या, महंगाई, बेरोजगारी, जमाखोरी, भ्रूण हत्या, मानव तस्करी, बलात्कार और भ्रष्टाचार जैसी गंभीर समस्याएं बढ़ रही हैं। इन समस्याओं पर नियंत्रण करना बहुत जरूरी है। देश के अंदर किसान लगातार आत्महत्या कर रहे हैं, उनकी फसलें बर्बाद हो रहीं हैं। सड़कों पर दूध और सब्जियां फेंकी जा रही हैं, लेकिन इन मुद्दों पर संसद के अंदर गंभीर चर्चा नहीं होती है।

इसके विपरीत, कई विवादास्पद मुद्दों के कारण सांप्रदायिक माहौल बिगड़ रहा है, जो देश की अखंडता के लिए खतरनाक है। राजनीतिक दल भी जनहित के मुद्दों पर चर्चा करने से बचते हैं। पार्षद, विधायक और सांसद अपने क्षेत्रों के विकास पर ध्यान देने के बजाय पार्टी लाइन से चली बड़ी-बड़ी बातें करने में व्यस्त रहते हैं। ऐसा लगता है कि सभी पार्टियों ने जनता की समस्याओं को नजरअंदाज करने की आदत बना ली है। हाल ही में आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने यमुना नदी में प्रदूषण का मुद्दा उठाया और कहा कि जब तक दिल्ली में बुद्ध स्तर पर सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट नहीं बनाए जाएंगे, यमुना की स्थिति में सुधार नहीं होगा। उन्होंने इसके लिए केंद्र सरकार के असहयोगात्मक रवैये की ओर ध्यान आकृष्ट किया और दिल्ली सरकार पर भी निशाना साधा। यह बेहद दुखद है कि सदियों से पूजी जाने वाली यमुना नदी आज नाले में तब्दील हो गई है।

करीब डेढ़ सौ करोड़ की आबादी वाले इस देश में जनता के बुनियादी हक का मुद्दा सर्वोपरि है, लेकिन दुर्भाग्य है कि हमारे चुने हुए जनप्रतिनिधि आम जनता की आवाज को समझ नहीं पा रहे हैं। संसद या विधानसभाओं में बैठे जनप्रतिनिधियों को यह समझना होगा कि जनता की आवाज को बुलंद करना और उनके मुद्दों का समाधान ढूंढना ही देश का भला कर सकता है। देश के अंदर जो अद्भुत सृजनशीलता और उद्यमिता है, उसे संवारने और नई ऊंचाइयों पर ले जाने की आवश्यकता है।

जनता सब देख रही है कि कौन क्या कर रहा है क्योंकि आजकल संसद की कार्यवाही का सीधा प्रसारण होता है । इसलिए संसद में बात होनी चाहिए, बहस होनी चाहिए और मुद्दे उठने चाहिए। अगर मुद्दे दल के हिसाब से उठेंगे तो यह होगा। लंबे समय तक कार्यवाही को रोकना भी सही नहीं है। ऐसे में कई कानून बिना चर्चा के भी पारित हो जाते हैं। बेहतर यह है कि आप चर्चा करें और जिस पर आपकी सहमति ना हो तो आप बहिर्गमन करें। मुझे लगता है कि जिम्मेदारी दोनों पक्षों की है और सबसे बड़ी जिम्मेदारी सरकार की है।

हर साल 2.17 लाख महिलाएं ब्रेस्ट कैंसर की चपेट में, साल में एक बार स्क्रीनिंग मैमोग्राम जरुरी

-सुरेश गांधी

बदलती जीवन शैली, बदलते खान-पान और खुद के शरीर पर ध्यान नही दिए जाने के कारण लगातार देशभर में कैंसर का खतरा बढ़ता जा रहा है. इसमें ब्रेस्ट कैंसर का खतरा सबसे ज्यादा देखने को मिल रहा है. ब्रेस्ट कैंसर एक ऐसी बीमारी है, जिसका इलाज समय पर ना हो, तो यह जानलेवा साबित हो सकती है। भारत में हर साल 2.17 लाख महिलाओं को ब्रेस्ट कैंसर होता है। यह हर साल दो प्रतिशत की रेट से बढ़ रहा है। 2030 तक यह आंकड़ा 2.65 लाख के पार हो जाएगा. यह समस्या गांवो में ज्यादा दिखाई दे रही है. गांव की महिलाएं शर्म के कारण अपनी समस्या सबके साथ शेयर नहीं करती है, इस वजह से डॉक्टर के पास नही जा पाती हैं. इससे उनके ठीक होने का चांस भी काफी कम हो जाता है. इसलिए हमारी जिम्मेदारी बनती है कि गांव की महिलाओं को किसी तरह से भी जागरूक करें. खानपान की गलत आदतें, बिगड़ा हुआ लाइफस्टाइल, धूम्रपान, शराब पीना, हाई फैट डाइट, देर से सोना, देर से उठना और बढ़ता मोटापा इस कैंसर के होने का एक बड़ा कारण है. ताजे फलों और सब्जियों के बजाय कैलोरी युक्त फास्ट फूड का विकल्प चुनने की बढ़ती प्रवृत्ति भी चिंता का कारण है। ब्रेस्ट कैंसर महिलाओं में होने वाली मौत का मुख्य कारण है। लक्षणों की पहचान न हो पाने की वजह से ज्यादातर महिलाओं को एडवांस स्टेज में इसका पता नहीं चल पाता है। यही कारण है कि पिछले कुछ सालों में ब्रेस्ट कैंसर के मामले तेजी से बढ़े हैं और चिंता का कारण हैं।

एक स्टडी के अनुसार, वर्ष 2030 तक भारत में ब्रेस्ट कैंसर का आंकड़ा 2 मिलियन को पार कर जाएगा। एक अन्य रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारत में 40 से कम उम्र की 25 फीसदी महिलाएं स्तन कैंसर की चपेट में है। भारत में 60 फीसद से ज्यादा स्तन कैंसर के मरीज एडवांस स्टेज में हैं, पश्चिमी देशों के मुकाबले में स्तन कैंसर से संबंधित मृत्यु की दर में इजाफा हुआ है। डीएनए में अचानक से होने वाले परिवर्तनों के कारण सामान्य स्तन कोशिकाओं में कैंसर हो जाता है. यद्यपि इनमें से कुछ परिवर्तन तो माता.-पिता से मिलते हैं. लेकिन बाकी ऐसे परिवर्तन जीवन में खुद ही प्राप्त होते हैं. प्रोटोओंकोजीन्स की मदद से ये कोशिकाएं बढ़ती जाती हैं. जब इन कोशिकाओं में म्यूटेशन या उत्परिवर्तन होता है, तब ये कैंसर कोशिकाएं बेरोक-टोक बढ़ती जाती हैं. ऐसे उत्परिवर्तन को ओंकोजीन के रूप में जाना जाता है. एक अनियंत्रित कोशिका वृद्धि कैंसर का कारण बन सकती है. बीआरसीए1 और बीआरसीए2 जीन में उत्परिवर्तन होते हैं. माता-पिता से उत्परिवर्तित जीन से स्तन कैंसर का जोखिम अधिक होता है. उच्च जोखिम वाली महिलाओं को हर साल एमआरआई और मैमोग्राम कराना चाहिए. एस्ट्रोजेन स्तन ग्रंथियों के ऊतकों के विभाजन को तीव्र करता है. किसी महिला में यदि लंबे समय तक एस्ट्रोजेन अधिक रहता है, तो स्तन कैंसर का खतरा बढ़ा रहता है. यदि 11 वर्ष की आयु या उससे पहले ही मासिक धर्म शुरू हो जाए या 55 वर्ष या उससे अधिक उम्र में रजोनिवृत्ति हो तो माना जाता है कि एस्ट्रोजेन का एक्सपोजजर अधिक है. महिलाओं को 45 वर्ष से 54 वर्ष की उम्र तक हर साल एक बार स्क्रीनिंग मैमोग्राम करा लेना चाहिए. 55 वर्ष या अधिक उम्र की महिलाओं को सालाना स्क्रीनिंग करानी चाहिए। विशेषज्ञों का कहना है कि बदलते परिवेश में खुद महिलाएं अपने स्तर से घर पर ही स्क्रीनिंग कर सकती हैं. आंकड़ों के मुताबिक आठ में से एक महिला को कैंसर की शिकायत है. एक साल में दो लाख के करीब महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर का खतरा सामने आ रहा है. यह बेहद ही चैंकाने वाला है. विशेष रूप से यह खतरा ग्रामीण परिवेश की महिलाओं में ज्यादा देखने को मिलता है.

हर वर्ष 1 लाख 78 हजार नए केस

नेशनल कैंसर रजिस्ट्री प्रोग्राम के तहत 2022 में देश में 14,61,427 कैंसर रोगी है। यूपी में सर्वाधिक 2,10,958 रोगी है, जबकि राजस्थान में 74,725 है। मतलब साफ है यूपी में कैंसर तेजी से अपने पैर पसार रहा है. 2023 में लगभग 2.17 लाख नए कैंसर मामलों के साथ, उत्तरी भारत के उत्तर प्रदेश राज्य में वर्ष में सबसे अधिक संख्या दर्ज की गई। जबकि 2021 में इस राज्य में कैंसर के नए मामलों की संख्या करीब 2 लाख रही थी. महाराष्ट्र 1.24 लाख दूसरे, पश्चिम बंगाल तीसरे व बिहार चैथे नंबर पर है. यह आंकड़ा इस बीमारी की गंभीरता और घातकता को दशार्ने के लिए पर्याप्त है। केवल महामना पंडित मदन मोहन मालवीय कैंसर केंद्र एवं होमी भाभा कैंसर अस्पताल, वाराणसी में अब तक 1,22,896 नए कैंसर मरीजों का पंजीकरण, जबकि 20,197 मरीजों की सर्जरी हो चुकी है। अगर 2023 क बात करें तो जनवरी से लेकर अक्टूबर तक कुल 22,522 नए मरीजों का पंजीकरण हो चुका है। केरल (135.3), मिजोरम (121.7), हरियाणा (103.4), दिल्ली (102.9), कर्नाटक (101.6), गोवा (97.0), हिमाचल प्रदेश (91.6), उत्तराखंड (91.0), असम (90.2), पंजाब (85.5) में मरीज पीडित है। इन राज्यों में पिछले कुछ दशकों में कैंसर के सबसे ज्यादा मामले सामने आए हैं।

2040 तक 2.84 करोड़ मरीज हो सकते हैं

अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के अनुमानों के अनुसार, जनसांख्यिकीय परिवर्तनों के कारण 2040 में दुनिया भर में कैंसर रोगियों की संख्या 2.84 करोड़ होने की आशंका है, जो 2020 की तुलना में 47 प्रतिशत अधिक होगी। यह संख्या वैश्वीकरण और बढ़ती अर्थव्यवस्था से जुड़े जोखिम कारकों में वृद्धि से बढ़ सकती है। वर्ष 2020 में दुनिया भर में अनुमानित तौर पर कैंसर के 1.93 करोड़ नए मामले आए और करीब एक करोड़ लोगों की कैंसर से मौतें हुईं। भारत में साल 2018 में ब्रेस्ट कैंसर से 87 हजार महिलाओं की मौत हुई थी. मतलब साफ है यहां हर साल कैंसर के 10 से 15 केस सामने आते हैं. जबकि पूरी दुनिया में 1.8 करोड़ लोग हर साल कैंसर की बीमारी से पीड़ित हो रहे हैं. इनमें सबसे ज्यादा मामले मुंह के कैंसर, फेंफड़ों के कैंसर और ब्रेस्ट कैंसर के हैं. कुछ तरह के कैंसर बढ़ने की प्रमुख वजहों में ह्यूमन पेपिलोमावायरस इंफेक्शन, हेपेटाइटिस बी और सी जैसी संक्रमण वाली बीमारियां शामिल हैं. ये लिवर, ब्रेस्ट और सर्वाइकल और मुंह के कैंसरों की वजह बनती हैं. हेपेटाइटिस बी और सी लिवर कैंसर का सबसे बड़ा रिस्क फैक्टर है. ओरल और सर्वाइकल कैंसर का सबसे बड़ा कारण है. स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से दिए आंकड़े बताते हैं कि 2020 में दिल्ली में 14,057 कैंसर से संबंधित मौतें हुईं, जबकि 2021 में 14,494 मौतें और 2022 में 14,917 मौतें हो चुकी हैं। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च की नैशनल कैंसर रजिस्ट्री के आंकड़ें बताते हैं कि देश में 2023 में कैंसर के मामले 15 लाख तक पहुंच गए हैं। इसके अलावा ऐसे हजारों केस भी होंगे, जिनका आंकड़ा नहीं मिल पाता होगा। जम्मू और कश्मीर में कैंसर के मामलों में चिंताजनक वृद्धि देखी जा रही है. यहां हर साल 12000 से ज्यादा नए मामले सामने आते हैं. पिछले पांच सालों में जम्मू-कश्मीर में कैंसर के 60000 से ज्यादा मामले दर्ज किए गए हैं, यानी हर साल औसतन 12,000 से ज्यादा मामले.

भारत में महिलाओं में कैंसर के मामलों में 27 प्रतिशत मामले स्तन कैंसर के हैं. इस तरह की परेशानी 30 वर्ष की उम्र के शुरूआती वर्षो में होती है, जो आगे चलकर 50 से 64 वर्ष की उम्र में भी हो सकती है. स्तन कैंसर के कुछ लक्षणों में स्तन या बगल में गांठ बन जाना, स्तन के निप्पल से खून आना, स्तन की त्वचा पर नारंगी धब्बे पड़ना, स्तन में दर्द होना, गले या बगल में लिम्फ नोड्स के कारण सूजन होना आदि प्रमुख हैं.आंकड़ों के मुताबिक, 28 में से किसी एक महिला को जीवकाल में कभी न कभी स्तन कैंसर होने का अंदेशा रहता है. इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के मुताबिक, भारतीय महिलाओं में छोटी उम्र में ही स्तन कैंसर होने लगा है. भारत में हर साल 2.17 लाख महिलाओं को ब्रेस्ट कैंसर होता है। यह हर साल दो प्रतिशत की रेट से बढ़ रहा है। 2030 तक यह आंकड़ा 2.65 लाख के पार हो जाएगा. जागरुकता की कमी और रोग की पहचान में देरी के चलते उपचार में कठिनाई भी आती है. स्तन कैंसर में इस रोग के ऊतक या टिश्यू स्तन के अंदर विकसित होते हैं. इस रोग होने के पीछे जो कारक हैं, उनमें प्रमुख हैं जीन की बनावट, पर्यावरण और दोषपूर्ण जीवनशैली. बचाव के लिए जरूरी है कि 30 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं की स्क्रीनिंग आवश्यक रूप से की जाए. साथ ही जीवनशैली में भी कुछ बदलाव किए जाएं तो इस रोग की आशंका कम की जा सकती है.

किन कारणों से हो सकता है कैंसर?

प्रदूषित हवा भी कैंसर का कारण बन सकती है। मेट्रो शहरों में प्रदूषण का लगातार बढ़ता स्तर प्रत्येक निवासी को खतरे में डालने की क्षमता रखता है। धूल व बिल्डिंग मटीरियल से उड़ने वाले सूक्ष्म कण भी फेफड़ों के लिए खतरनाक होते हैं। धूम्रपान न करने वाले भी प्रदूषित हवा के माध्यम से धूम्रपान के हानिकारक प्रभावों के संपर्क में आते हैं। ह्वबाथरूम क्लीनर, उर्वरक या कीटनाशकों जैसे रसायनों के अधिक संपर्क में आने से लोगों को कैंसर का खतरा हो सकता है।

कैंसर को कैसे रोका जाए?

कैंसर को रोका जा सकता है। लेकिन हम सचेत नहीं हैं। हम नियमित रूप से व्यायाम नहीं करते, रेस्तरां से हाई कैलोरी वाला भोजन खाते हैं। इन रेस्तरां में खराब तेल से खाना पकाया जाता है और हाईजीन का भी ध्यान नहीं रखा जाता। शारीरिक पहलुओं के अलावा, पुराना मानसिक तनाव भी कैंसर का कारण बन सकता है। इसलिए, हमें यथासंभव संघर्षों और झगड़ों से बचना चाहिए और अपने मन को तनाव मुक्त रखने की कोशिश करनी चाहिए। हालांकि कैंसर एक जानलेवा बीमारी है। अगर प्राथमिक चरणों में इसका पता चल जाए तो यह काफी हद तक ठीक हो सकता है।

ब्रेस्ट कैंसर की पहचान

आमतौर पर ब्रेस्ट कैंसर की पहचान करना मुश्किल होता है। समस्या को देखते हुए भी ज्यादातर महिलाएं इसे नजरअंदाज कर देती हैं। लेकिन एक महिला के ब्रेस्ट और निप्पल में होने वाले बदलावों से ब्रेस्ट कैंसर की पहचान की जा सकती है। ब्रेस्ट पर अगर कोई गांठ है या फिर निप्पल चपटे और मुड़े हुए दिख रहे हैं, तो बिना देर किए डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। आमतौर पर ब्रेस्ट पर होने वाली गांठ में दर्द नहीं होता। फिर भी किसी मरीज को ब्रेस्ट एरिया या फिर निप्पल में दर्द महसूस हो सकता है। फिलहाल, ब्रेस्ट कैंसर के लिए कोई वैक्सीनेशन उपलब्ध नहीं है। लेकिन रिस्क को कम करने के लिए लाइफस्टाइल में सुधार किया जा सकता है। ब्रेस्ट फीडिंग कराने से ब्रेस्ट कैंसर के जोखिम को कम करने में मदद मिलती है। उम्र से पहले पीरियड आना और मेनोपॉज का देर से होना ब्रेस्ट कैंसर के रिस्क को बढ़ा सकता है।

ब्रेस्ट कैंसर के लक्षण

ब्रेस्ट के आकार में बदलाव

ब्रेस्ट पर मटर के दाने जितनी छोटी गांठ

ब्रेस्ट या इसके आसपास के हिस्से में गांठ या फिर मोटापा महसूस होना

ब्रेस्ट या निप्पल की त्वचा के रंग में बदलाव

निप्पल से खून के धब्बे आना

ब्रेस्ट कैंसर के कारण

उम्रः 55 साल से ज्यादा उम्र की महिलाओं में इसकी संभावना बनी रहती है।

फैमिली हिस्ट्रीः अगर महिला की फैमिली में माता-पिता, भाई बहन या बच्चे को ब्रेस्ट कैंसर रहा है, तो उसे भी यह रोग होने की संभावना है।

हार्मोनल बदलावः कुछ महिलाओं में हार्मोनल बदलाव के चलते भी ब्रेस्ट कैंसर की संभावना बन जाती है। जिन महिलाओं का मेनोपॉज देर से हुआ है, उन्हें ब्रेस्ट कैंसर का रिस्क बना रहता है।

धूम्रपान और शराब का सेवनः जरूरत से ज्यादा शराब का सेवन और धूम्रपान करने वाली महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर के मामले ज्यादा देखे जाते हैं। ऐसी महिलाओं के लिए अल्कोहल की जरा सी भी मात्रा जहर बराबर है।

मोटापाः मेनोपॉज के बाद मोटापे की शिकार महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। इसलिए डॉक्टर मेनोपॉज के बाद वजन कंट्रोल करने की सलाह देते हैं।

ब्रेस्ट कैंसर के चरण

स्टेज 0ः डक्टल कार्सिनोमा इन सीटू ब्रेस्ट कैंसर की प्राइमरी स्टेज है। इसमें कैंसर के टिश्यू ब्रेस्ट मिल्क डक्ट में ही पाए जाते हैं। लेकिन ये ब्रेस्ट के आसपास के अन्य हिस्सों में फैल नहीं पाते। इसके लक्षणों को आसानी से नहीं पहचाना जा सकता। इसके निदान के लिए मैमोग्राम या बायोप्सी की जरूरत पड़ती है।

स्टेज-1ः इस स्टेज में कैंसर का आकार 1 इंच से भी छोटा होता है। ब्रेस्ट में कोई गांठ नहीं दिखती, लेकिन कैंसर सेल्स आसपास के लिम्फ नोड्स में पाए जाते हैं।

स्टेज-2ः इस स्टेज में कैंसर का साइज बढ़कर 0.82 -2 इंच के बीच होता है। कैंसर सेल्स आसपास के लिम्फ नोड्स में फैल सकते हैं।

स्टेज-3ः इसमें कैंसर का साइज कैसा भी हो सकता है। कैंसर ब्रेस्ट के आसपास के टिश्यू में फैलने लगता है। यह लिंफ नोडस जैसे अंडरआर्म्स, ठोड़ी के नीचे या फिर ब्रेस्ट के आसपास एक या दोनों तरफ फैल चुका है।

स्टेज 4ः यह ब्रेस्ट कैंसर की लास्ट और एडवांस स्टेज है, जिसे मेटास्टेटिस ब्रेस्ट कैंसर कहते हैं। इस स्टेज में कैंसर शरीर के हर अंग जैसे हड्डी, लिवर, फेफड़े और ब्रेन में फैल चुका होता है।

ब्रेस्ट कैंसर के लिए टेस्ट

मैमोग्रामः मैमोग्राम एक तरह का एक्स रे इमेजिंग टेस्ट है, जो ब्रेस्ट की इमेज लेकर कैंसर सेल्स के होने की पहचान करती है।

अल्ट्रासाउंडः यह भी एक इमेज टेक्निक है। इसमें ब्रेस्ट के अंदर की तस्वीर लेने के लिए हाई फ्रीक्वेंसी साउंड वेव्स का उपयोग किया जाता है।

एमआरआईः एमआरआई की मदद से ब्रेस्ट की 3डी इमेज ली जाती है। इस स्क्रीनिंग की सलाह उन महिलाओं को दी जाती है, जो पहले कभी ब्रेस्ट कैंसर का सामना कर चुकी हैं।

ब्रेस्ट कैंसर का इलाज

ब्रेस्ट कैंसर के इलाज में सर्जरी की जरूरत पड़ सकती है। इसमें जरूरत के हिसाब से तीन तरह के सर्जरी की जाती है, जिसे लंपेक्टॉमी, मास्टेक्टॉमी और सर्जिकल बायोप्सी कहते हैं। इसके अलावा कीमोथेरेपी, रेडियोथेरेपी, हार्मोनल थेरेपी, टारगेटेड थेरेपी, इम्यूनोथेरेपी, एग्जोनिशन थेरेपी, पेलियेटिव केयर के जरिए भी ब्रेस्ट कैंसर को ठीक करने की कोशिश की जाती है।

पिछले तीन वर्षों के आंकड़े

आंकड़ों को देखें तो 2021 में कैंसर के 1426447 मामले नैशनल कैंसर रजिस्ट्री प्रोग्राम में दर्ज किए गए। 2022 में यह संख्या बढ़कर 1461427 हो गई और 2023 में 1496972 केस सामने आए। हर 9 में से से एक व्यक्ति को अपने जीवनकाल में कैंसर होने की संभावना है। पुरुषों में फेफड़े और महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर के काफी मामले सामने आ रहे हैं। 14 वर्ष तक की आयु में लिम्फोइड ल्यूकेमिया का खतरा बढ़ा है।

2025 तक कैंसर केस में 10 फीसदी के इजाफे का अनुमान

2020 की तुलना में 2025 में कैंसर के मामलों में 10 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी का अनुमान है। आईसीएमआर का कहना है कि कैंसर का पता लगाने के लिए अब बेहतर डायग्नोस्टिक तकनीक है, इन तकनीकों की आम लोगों तक पहुंच और उपलब्धता है, जिसके चलते कैंसर का जल्दी भी पता लग जाता है। एडवांस स्टेज में जाने से पहले स्क्रीनिंग के जरिए कैंसर का पता लगने से इलाज होना संभव हो जाता है। ऐसे में स्क्रीनिंग पर ध्यान देने की जरूरत है और लक्षणों के बारे में जानकारी होना जरूरी है। हेपेटाइटिस बी और हेपेटाइटिस सी भी खतरा बन रहे हैं। हेपेटाइटिस बी और सी वायरस से लंबे समय तक संक्रमित रहने पर लीवर कैंसर होने का खतरा बढ़ जाता है। संक्रमित रहने पर पित्त नली के कैंसर का खतरा हो जाता है।

ब्रेस्ट कैंसर से अछूते नहीं है पुरुष

सिर्फ महिलाओं को ही ब्रेस्ट कैंसर नहीं होता है, बल्कि पुरुष भी इसके शिकार हो सकते हैं। सीडीसी बताता है कि यूएस के ब्रेस्ट कैंसर के हर 100 मामलों में से 1 मामला पुरुषों में मिलता है। इसलिए, पुरुष इस घातक बीमारी से एकदम अछूते नहीं हैं। इंफ्लेमेटरी ब्रेस्ट कैंसर (आईबीसी) कैंसर का एक दुर्लभ और तेजी से बढ़ने वाला रूप है, जो त्वचा पर अपने लक्षण दिखा सकता है। क्लीवलैंड क्लिनिक के मुताबिक ज्यादातर ब्रेस्ट कैंसर के विपरीत, आईबीसी आमतौर पर ब्रेस्ट टिश्यूज में गांठ का कारण नहीं बनता है। इसके बजाय, यह दाने के रूप में प्रकट होता है, जिससे प्रभावित स्तन पर संतरे के छिलके के समान त्वचा की बनावट बन जाती है। आईबीसी के कारण प्रभावित स्तन पर दर्द, लालिमा, सूजन और गड्ढे पड़ जाते हैं।

समाजसेवी स्व. लालजी सिंह को भावभीनी श्रद्धांजलि

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुलुंड के सुप्रसिद्ध समाजसेवी लालजी सिंह (66वर्ष) का हृदयाघात की वजह से आकस्मिक निधन गत दिनों मुलुंड में हो गया। दिवंगत को श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु श्रद्धांजलि सभा का आयोजन गोपुरम हॉल, मुलुंड (प)पर किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवक कालिका सिंह, डॉ. बाबूलाल सिंह, बीरेंद्र पाठक, कैप्टन समीर वालावलकर, मोहन शिंदे, आई पी सिंह, अशोक त्रिवेदी, सुरेंद्र नायर, बृजभान सिंह, राजेंद्र श्रीवास्तव, बृजेश सिंह, बीरेंद्र चतुर्वेदी, अनिल सिंह, रामजी सिंह, राजेश सिंह, दिनेश सिंह, रुपेश सिंह, अमरदेव पाठक सहित कई गणमान्य लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित किया तथा दिवंगत के सुपुत्र सिद्धार्थ सिंह एवं धर्मपत्नी सुमन सिंह से मिलकर अपनी संवेदनाएं प्रकट किये।

बीओसीआई ने नई टीम के साथ भविष्य के लिए रोडमैप पेश किया, यात्री परिवहन में नवाचार और स्थिरता को मिलेगा बढ़ावा

मुंबई। बस एंड कार ऑपरेटर्स कंफेडरेशन ऑफ इंडिया (बीओसीआई), जो देशभर के यात्री परिवहन संचालकों का प्रतिनिधित्व करती है, ने मुंबई में आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान अपनी नई राष्ट्रीय समिति की घोषणा की। यह समिति अगले तीन वर्षों के लिए कार्य करेगी। इस समिति में प्रमुख भूमिकाओं के लिए श्री प्रसन्ना पटवर्द्धन को राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में पुनः चुना गया है। साथ ही, श्री ए. अफजल को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, श्री धर्मराज डी. आर. को महासचिव, श्री हर्ष कोटक को खजांची, और श्री बाबू पाणिकर को अतिरिक्त सचिव नियुक्त किया गया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में अपने पद पर बरकरार श्री प्रसन्ना पटवर्द्धन के जारी नेतृत्व में बीओसीआई ने यात्री परिवहन उद्योग की भलाई के लिये अपना दृष्टिकोण रखा है। श्री पटवर्द्धन ने कहा, बीओसीआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभाना मेरे लिए बड़े सम्मान की बात है। मैं सभी सदस्यों का उनके निरंतर सहयोग और विश्वास के लिए धन्यवाद देता हूं। यात्री परिवहन उद्योग इस समय बदलाव के दौर से गुजर रहा है, और हमें इन बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे। सार्वजनिक परिवहन न केवल पर्यावरण के अनुकूल है, बल्कि यह समाज के हर वर्ग को जोड़ने का एक मजबूत माध्यम भी है। 'विकसित भारत' के सपने को साकार करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। बीओसीआई का उद्देश्य मोबिलिटी एज अ सर्विस (एमएएएस) और अंतिम मील तक बेहतर कनेक्टिविटी जैसी सुविधाओं को बढ़ावा देना है। इससे सार्वजनिक परिवहन और भी सुलभ और उपयोगी बनेगा। आने वाले समय में हमारा ध्यान नवाचार, मजबूत साझेदारियों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग पर होगा। इससे न केवल हमारा उद्योग वैश्विक मानकों पर खरा उतरेगा, बल्कि नई संभावनाओं के साथ आगे बढ़ेगा। हमारा लक्ष्य 2025 तक परिचालन में सुधार, चुनौतियों का समाधान और एक स्थायी रोडमैप तैयार करना है, जिससे संचालक और यात्री दोनों को लाभ हो। साथ मिलकर, हम इस सेक्टर को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे और सुनिश्चित करेंगे कि यह भारत की तरक्की में एक मजबूत भागीदार बने। बीओसीआई की स्थापना 2016 में हुई थी और तब से यह यात्री परिवहन उद्योग की प्रमुख समस्याओं को हल करने में एक मजबूत आवाज बनी हुई है। विनियामक बाधाओं और बुनियादी ढांचे से जुड़ी चुनौतियों को सुलझाने में इस संस्था ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

मेघालय के डॉ. विद्यानिष्ठ मराक को मिला माय होम इंडिया का 14वां वन इंडिया अवार्ड

मुंबई। पूर्वोत्तर भारत के साथ सांस्कृतिक बंधन को मजबूत करने के लिए कार्यरत माय होम इंडिया ने अपनी स्थापना के बीस वर्ष पूरे किए। इस उपलक्ष्य में विले पार्ले के मास्टर दिनानाथ नाट्यगृह में आयोजित एक विशेष समारोह में भाजपा नेत्री श्रीमती माधवी लता के हाथों मेघालय के गारो पहाड़ों के पारंपरिक उपचार पद्धति सामाचिक का संरक्षण और संवर्धन करने के लिए कार्यरत डॉ. विद्यानिष्ठ मराक को 2024 का वन इंडिया पुरस्कार प्रदान किया गया। माय होम इंडिया की ओर से पिछले 13 वर्षों से पूर्वोत्तर भारत के जनजातीय समुदाय और अन्य भारतीय क्षेत्रों के बीच सांस्कृतिक बंधन को मजबूत करने के लिए कार्यरत व्यक्तियों को वन इंडिया पुरस्कार दिया जा रहा है। इस वर्ष डॉ. मराक को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। माय होम इंडिया के संस्थापक श्री सुनील देवधर जी ने इस अवसर पर कहा कि जो लोग पूर्वोत्तर भारत की सेवा में समर्पित हैं, उन्हें वन इंडिया अवार्ड के माध्यम से सम्मानित किया जाता है। मेघालय के गारो पहाड़ों के तुरा में बसे डॉ. विद्यानिष्ठ मराक ने बहुत कम आयु में पारंपरिक चिकित्सा पद्धति सामाचिक की ओर रुझान दिखाया। यह चिकित्सा पद्धति गारो आदिवासी समुदाय की एक प्राचीन और प्रभावी पद्धति है। डॉ. मराक ने इसे बचाने और बढ़ावा देने के लिए अपने पिता और बाद में अपने ससुर से शिक्षा ली। पारंपरिक चिकित्सा को लेकर सामान्य चिकित्सकों में उपहास और हीनभावना के बावजूद, डॉ. मराक ने 1987 में इस चिकित्सा पद्धति को सम्मानित करने और इसे पुनर्स्थापित करने का कार्य शुरू किया। उन्होंने गारो समुदाय के सभी सामाचिक चिकित्सकों को एकत्र करने के लिए सामाचिक असोसिएशन का गठन किया और पिछले चार दशकों से इसके महासचिव के रूप में कार्य किया।

एनएचसी फूड्स लिमिटेड का रु. 47.42 करोड़ का राइट्स इश्यू

मुंबई। मसाला, अनाज, तेलबीज, सूखा मेवा और अन्य कृषि उत्पाद के निर्यात व्यापार से जुड़ी गुजरात स्थित नेशनल हेल्थ कॉरपोरेशन फूड्स लिमिटेड का 47.42 करोड़ का राइट्स इश्यू 5 दिसम्बर, 2024 से सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन हुआ है। 6 दिसम्बर, 2024 को प्रति शेयर 2.76 की मौजूदा बाजार कीमत के सामने कंपनी प्रति शेयर 1 रुपए की आकर्षक कीमत पर राइट्स इश्यू ऑफर कर रही है। राइट्स इश्यू 18 दिसम्बर, 2024 को बंद होगा। निवेशक कंपनी के राइट्स इश्यू में 1 रुपए की कीमत पर लेने / सब्सक्राइब करने के लिए राइट्स एनटाईटलमेंट्स भी खरीद सकते हैं। राइट्स अधिकारों के ऑन मार्केट त्याग की अंतिम तिथि 12 दिसंबर, 2024 है। सूचित राइट्स इश्यू का राइट एंटाईटलमेंट्स 4:1 रेश्यो है (रेकॉर्ड तारीख 26 नवंबर, 2024 को इक्विटी शेयर धारकों द्वारा रखे गए प्रत्येक 1 फुल्ली पैड इक्विटी शेयर के सामने प्रत्येक 1 रुपए की फेस वैल्यू के 4 राइट्स इक्विटी शेयर) कंपनी प्रत्येक 1 की कीमत प्रति शेयर 1 रुपए की फेस वैल्यू के 47.42 करोड़ फुल्ली पेड अप इक्विटी शेयर्स इश्यू करेगी जिसका मूल्य 47.42 करोड़ है।

जिला परिषद पालघर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने की पालघर के विकास कार्यों की समीक्षा

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिला मुख्यालय क्षेत्र अंतर्गत स्थित पंचायत समिति में मंगलवार 10 दिसंबर 2024 को जिला परिषद पालघर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवीन्द्र शिंदे, गट विकास अधिकारी, विस्तार अधिकारी (पंचायत), विस्तार अधिकारी (सांख्यिकी), सभी विभाग प्रमुख, उप अभियंता, शाखा अभियंता, सहायक प्रशासन अधिकारी, ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम सेवक की समन्वय समीक्षा बैठक आयोजित कर विकास कार्यों की समीक्षा की गई इस अवसर पर उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी ग्राम पंचायत चन्द्रशेखर जगताप, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी जल एवं स्वच्छता विभाग अतुल पारसकर, बापुराव नाले, प्रभारी गट विकास अधिकारी, पंचायत समिति पालघर के साथ अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

इस दौरान जिला ग्रामीण विकास व्यवस्था विभाग की समीक्षा करते हुए वर्ष 2016-17 से 2023-24 तक प्रधानमंत्री आवास योजना के अपूर्ण आवासों तथा राज्य पुरस्कार प्राप्त घरकुल योजना के अपूर्ण घरकुलों को जनवरी 2025 के अंत तक पूर्ण करने के निर्देश दिये गये। मुख्य कार्यकारी अधिकारी रविंद्र शिंदे निर्देश देते हुए कहा कि यदि लाभार्थी आवासों का निर्माण पूरा नहीं करता है तो सरकारी खाते में भुगतान कराकर उक्त आवासों को आवंटित सब्सिडी निरस्त कर दी जाए। साथ ही वर्ष 2024-25 की सभी योजनाओं को मार्च 2025 के अंत तक पूरा करने की कार्रवाई की जाये। मुख्य कार्यकारी अधिकारी रविंद्र शिंदे ने मौके पर उपस्थित अधिकारियों से यह भी कहा कि

सरकारी जमीन पर बने मकानों के संबंध में सरकारी नियमानुसार कार्रवाई करते हुए लंबित मकानों को पूरा कराया जाए। इस दौरान मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को माझी वसुन्धरा अभियान को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने के निर्देश दिये। ग्राम पंचायत विभाग की जन सुविधा एवं शहरी सुविधा योजना के अंतर्गत वर्ष 2023-24 के अपूर्ण कार्य 15 जनवरी 2025 तक पूर्ण किये जायें, साथ ही स्वीकृत कार्य मार्च 2025 के अंत तक पूर्ण किये जायें। 2025-26 की योजना प्रस्तुत करते समय शासन के निर्णय के अनुसार ग्राम पंचायत की ओर से शेष राशि यथावत रखी जाये तथा कार्यों का प्रस्ताव रखते समय ग्राम सभा का आयोजन 15वें वित्त के अनुरूप किया जाये। आयोग के तहत वर्ष 2020-21 से 2023-24 तक बाउंड एवं अनबाउंड के सभी कार्यों को पूर्ण करने की कार्यवाही की जाये।

15वें वित्त आयोग के तहत कार्यों पर सरकारी कटौती का भुगतान संबंधित खातों में करने का ध्यान रखा जाए। ग्राम पंचायतों में सभी गृह धारकों को गृहकर भुगतान का भुगतान जल्द पूरा किया जाए तथा उसी रिपोर्ट प्रस्तुत की जाये। जिला कार्यालय को ग्राम पंचायतों से शत-प्रतिशत कर वसूली पूर्ण करने की कार्रवाई हेतु निर्देश दिया गया है। सभी ग्राम पंचायतें सरकार द्वारा नियुक्त निविदाकर्ता से कूड़ेदान, ई-वाहन क्रय करने, निजी एवं सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण कार्य पूर्ण कराने के संबंध में कार्यवाही करें। जल एवं स्वच्छता विभाग की समीक्षा के दौरान सार्वजनिक शौचालय के तहत नये प्रस्ताव प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया। इस अवसर पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने योजना के सभी कार्य मार्च 2025 के अंत तक पूर्ण कर शत-प्रतिशत व्यय दर्ज करने के निर्देश दिये। इस मौके पर सभी विभागों की विस्तृत समीक्षा की गयी। इस अवसर पर बी.के. शिंदे उप अभियंता जल आपूर्ति, संजय वाघ गट शिक्षा अधिकारी प्रभारी, विनोद पाटील विस्तार अधिकारी ग्राम पंचायत, राजू रामदास कोली विस्तार अधिकारी ग्राम पंचायत, रवीन्द्र सिंह पाटील विस्तार अधिकारी ग्राम पंचायत, स्मिता पाटील कृषि अधिकारी के अलावा अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

समाज सेवक व भाजपा नेता पी डी यादव की विशेष कार्यकारी अधिकारी की नियुक्ति पर यादव समाज के लोगों ने दी बधाई

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। कपड़ा उद्योग का मेनचेस्टर कहे जाने वाले औद्योगिक नगरी भिवंडी शहर में समाज सेवक व भिवंडी भाजपा जिला प्रचार प्रमुख पी डी यादव को महाराष्ट्र शासन की तरफ से विशेष कार्यकारी अधिकारी(एस ई ओ) नियुक्त किया गया है । बतादें कि पी डी यादव भिवंडी में पत्रकारिता के साथ भिवंडी की राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं जिससे यादव समाज ही नहीं बल्कि अन्य समाज के लोगों में अपनी एक अलग पहचान बनाई है वहीं यादव समाज के लोगों में खुशी व्याप्त है । इनकी नियुक्ति पर यादव संघ मुंबई के अध्यक्ष व पूर्व नगरसेवक अजय यादव , भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा के भिवंडी जिला अध्यक्ष मंगेश यादव , यादव समाज भिवंडी के अध्यक्ष डॉ एन एल यादव , मनोज

(गुड्डू) यादव , पत्रकार आचार्य सूरजपाल यादव , हीरा लाल यादव, जय हिन्द चालक मालक यूनियन के अध्यक्ष लल्लन यादव , जय महाराष्ट्र चालक मालक आटा चक्की यूनियन के अध्यक्ष रामदेव यादव , रामकरन यादव , रामसिंह यादव , डाक्टर मुन्नालाल यादव , चंद्रिका यादव , चंद्रभान यादव , यदुवंशी समाज सेवा संस्था के अध्यक्ष लालबहादुर यादव , चंद्रकांत यादव आदि लोगों ने बधाई हुये खुशी व्यक्त की है।

नशामुक्त भारत अभियान के तहत डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर नशा मुक्ति नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता 2024 का हुआ आयोजन

पालघर(उत्तरशक्ति)। डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर के नशा मुक्ति पर विचारों को बढ़ावा देने के लिए, स्कूलों, कॉलेज के छात्रों और संगठनों की उत्साही भागीदारी के साथ नशा मुक्ति नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता आयोजित की गई। व्यसनों के संबंध में डॉ. बाबा साहब अम्बेडकर कट्टर विरोधी विचार के थे। उन्होंने भारतीय संविधान में अनुच्छेद 47 के माध्यम से सरकार के लिए नशीली दवाओं की लत की देखभाल के लिए एक विशेष प्रावधान किया। नशाबंदी मंडल का उद्देश्य व्यसनों को रोकना व नशेड़ियों के मन को बदलना तथा उन्हें नशामुक्त बनाना है। नशामुक्त भारत अभियान के तहत युवाओं के साथ-साथ सामान्य समाज तक नशामुक्ति का संदेश फैलाने के लिए

मराठी विभाग और नशाबंदी मंडल महाराष्ट्र राज्य के सहयोग से जिला परिषद पालघर समाज कल्याण विभाग, स्वास्थ्य विभाग तथा सेंट जोसेफ कला आणी वाणिज्य महाविद्यालय, सतपाला द्वारा 10 दिसंबर 2024 को सेंट जोसेफ कला आणी वाणिज्य महाविद्यालय, सतपाला विरार जिला पालघर में डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर नशा मुक्ति नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस नशा मुक्ति नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता का उद्घाटन सेंट जोसेफ महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्या डॉ. कविता आल्मेडा, उपप्राचार्य डॉ. सुभाष डिसूजा, राष्ट्रीय प्रशिक्षक, समुपदेशक राष्ट्रपति पदक पुरस्कार विजेता बॉस्को डिसूजा, पथनाट्य मार्गदर्शक भरत भाले और नशाबंदी मंडल के पालघर जिला समन्वयक मिलिंद पाटील द्वारा किया गया। महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्या डॉ. कविता आल्मेडा ने उपस्थित युवाओं को समझाया कि नशा कितना भयानक होता है। जिला परिषद पालघर समाज कल्याण अधिकारी द्वारा दिया गया संदेश दर्शकों को पढ़कर सुनाया गया। बॉस्को डिसूजा ने कहा कि वह नशे के खिलाफ लड़ाई में शामिल हैं। उन्होंने नशे की लत से ग्रसित युवा पीढ़ी को राष्ट्रीय संपत्ति बताते हुए कहा कि हम इस संपत्ति को संरक्षित करने हेतु हमेशा नशा मुक्ति अभियान में सक्रिय रूप से शामिल रहेंगे। बॉस्को ने नशे की लत से उबरने का पूरा श्रेय डॉ. सुभाष डिसूजा को दिया। प्रतियोगिता में पालघर जिले के महाविद्यालय के छात्रों ने भाग लिया और नशे की समस्या (मादक पदार्थ) पर जोर दिया।

रायन इंटरनेशनल एकेडमी ने वर्ल्ड एड्स डे मैराथन का आयोजन किया

पुणे (उत्तरशक्ति)। रायन इंटरनेशनल एकेडमी, हिंजावाड़ी ने वर्ल्ड एड्स डे के मौके पर एक सामुदायिक मैराथन का आयोजन किया, जिसमें 184 धावकों ने भाग लिया। इस मैराथन का उद्देश्य एड्स और लोगों की सेहत के प्रति जागरूकता फैलाना और इसे अपना सहयोग देना था। मैराथन के दूसरे संस्करण में 4.4 किलोमीटर की दूरी को कवर किया गया, जो रायन इंटरनेशनल एकेडमी के स्कूल परिसर से शुरू होकर मेगापोलिस सर्कल तक गया। यह आयोजन संस्था की सामाजिक जिम्मेदारी और समुदाय से जुड़ाव के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

इस आयोजन में ट्राएथलॉन नेशनल और एशिया-लेवल गोल्ड मेडलिस्ट मानसी मोहिते ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और उन्होंने मैराथन को झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने अपनी असाधारण खेल उपलब्धियों से प्रतिभागियों को प्रेरित किया। विभिन्न आयु समूहों के धावकों ने जबरदस्त उत्साह और समर्पण का प्रदर्शन किया, जो सामूहिक प्रयास की भावना को दशार्ता है। मैराथन के बारे में बात करते हुए, रायन इंटरनेशनल एकेडमी, हिंजावाड़ी की प्रिंसपिल सोनिका कोचर ने कहा, हमारी मैराथन केवल दौड़ नहीं है। इसका उद्देश्य सभी को शामिल करने के संदेश को फैलाना और एड्स से प्रभावित लोगों का

समर्थन करना है। इस साल की थीम है- सही रास्ता अपनाओः मेरी सेहत, मेरा अधिकार,' जो हमारे समुदाय परिवर्तन के दृष्टिकोण से गहराई से जुड़ा हुआ है, जिसकी शुरूआत हमारे दूरदर्शी चेयरमैन, डॉ. ए.एफ. पिंटो ने की है। मैराथन में शानदार प्रदर्शन की सराहना की गई, और तीन श्रेणियों–बच्चों, महिलाओं और पुरुषों–में शीर्ष प्रदर्शनकताओं को पदक और टी-शर्ट्स प्रदान कर सम्मानित किया गया। श्री केतन ने 4.4 किमी की दौड़ 32 मिनट में पूरी करके पुरुषों की श्रेणी में पहला स्थान प्राप्त किया, जबकि श्रीमती अनु शर्मा ने महिलाओं की श्रेणी में 45 मिनट में दौड़ पूरी की और पहला स्थान हासिल किया। सावधानीपूर्वक योजना बनाते हुए, स्कूल ने विभिन्न सुरक्षा उपायों को लागू किया, जिनमें पाथ मार्किंग, प्रतिभागियों की स्व-घोषणा, और हर किलोमीटर पर सहायता डेस्क की स्थापना शामिल थी। फिजिकल इंस्ट्रक्टर्स ने वार्म-अप और कूल-डाउन जैसे जरूरी सत्रों का संचालन किया, ताकि प्रतिभागियों की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित हो सके। यह स्कूल का दूसरा मैराथन था, इससे पहले जनवरी 2022 में पहले मैराथन का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया था। रायन इंटरनेशनल एके-डमी का लक्ष्य इस पहल को लगातार जारी रखना और भविष्य में इसका विस्तार करना है। इसके साथ ही, स्कूल का उद्देश्य आने वाले समय में एचआईवी/एड्स से प्रभावित लोगों की मदद के लिए धन जुटाना और जागरूकता बढ़ाना है।मैराथन में शामिल हुये सभी 184 प्रतिभागियों को भागीदारी प्रमाणपत्र प्रदान किए गए, जो एड्स के प्रति जागरूकता फैलाने और एकजुटता, स्वास्थ्य और मानवाधिकार के संदेश को बढ़ावा देने के उनके सामूहिक संकल्प का प्रतीक हैं।यह मैराथन रायन इंटरनेशनल एकेडमी के व्यापक मिशन का हिस्सा थी, जो लोगों के जुड़ाव, सामाजिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देने और स्वास्थ्य और समाज के महत्वपूर्ण मुद्दों पर सार्थक संवाद के लिए मंच तैयार करने का प्रयास करती है।

चिंचले प्राथमिक विद्यालय के छात्रों को मिलेगी उपयुक्त छत

जिला परिषद अध्यक्ष प्रकाश निकम ने पहल कर निकाला समस्या का समाधान

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले के दहानू तहसील के चिंचले में कक्षा पहली से पांचवी तक के लिए जिला परिषद स्कूल भवन व एक आंगनवाड़ी भवन को जिला परिषद से पूर्व अनुमति लिए बिना राजमार्ग कंपनी द्वारा ध्वस्त कर दिया गया क्योंकि ये दोनो भवन मुंबई वडोदरा राजमार्ग पर आते थे। इसलिए एक साल तक इस स्कूल के छात्र एक पत्रे की छत के नीचे पढ़ाई कर रहे थे। इसके बारे में जिला परिषद सदस्य काशीनाथ चौधरी ने पिछले वर्ष से ही जिला परिषद की हर स्थायी और सामान्य बैठक में यह मुद्दा उठाते रहे हैं। काशीनाथ चौधरी ने हाल ही में हुई स्थायी समिति की बैठक में भी यह मुद्दा उठाया था और इस बैठक में उन्होंने बच्चों को स्कूल नहीं दिये जाने पर जिला परिषद में आंदोलन करने की चेतावनी दी थी। जिसके कारण 10 दिसंबर 2024 को जिला परिषद अध्यक्ष प्रकाश निकम, उपाध्यक्ष पंकज कोरे, जिला परिषद सदस्य काशीनाथ चौधरी, मंगेश भोईर, शैलेश करमोडा, पंचायत समिति सभापति प्रवीण गवली, दहानू परियोजना अधिकारी सत्यम गांधी ने

जिला परिषद स्कूल भवन व एक आंगनवाड़ी भवन निर्माण हेतु स्थल का निरीक्षण किया। इस समय उक्त हाईवे बनाने वाली कंपनी के अधिकारी भी मौजूद थे। स्कूल की नई कक्षाओं और आंगनवाड़ी का निर्माण के लिए कम से कम दस गुंठा जगह और अतिरिक्त लागत, जिला परिषद अध्यक्ष प्रकाश निकम के आदेश से एक विशेष मामले के रूप में स्वीकृत किया गया। जिस स्थान पर विद्यार्थियों के पढ़ने हेतु शेड बना हुआ है, उसी स्थान पर जल्द ही बच्चों का स्कूल और आंगनवाड़ी स्थापित किया जाएगा। बच्चों ने पूरे साल शेड में पढ़ाई की है और अब उन्हें सही भवन मिलेगा। इसके लिए अभिभावकों ने उपस्थित सभी अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया ।इस अवसर पर शिक्षा अधिकारी सोनाली मातेकर, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी चन्द्रशेखर जगताप, गट विकास अधिकारी पल्लवी सस्ते के अलावा अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। जिला परिषद अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष का मौके पर आकर इस मुद्दे को गंभीरता से लेने एवं उपरोक्त के संबंध में नियमानुसार कार्रवाई कर समस्या का समाधान करने के लिए चिंचले गांव के विद्यार्थियों एवं अभिभावकों की ओर से जिला परिषद सदस्य काशीनाथ चौधरी ने आभार व्यक्त किया।

एन.पी.सी.आई.एल. के सीएसआर फंड से कुंभवली में होगा विकास कार्य

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पालघर जिले के तारापुर स्थित भारत सरकार का एक उपक्रम न्यूक्लियर पावर कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) की तारापुर अणुशक्ति केन्द्र की सामाजिक जवाबदारी की भूमिका के अंर्तगत सीएसआर फंड से स्वीकृत धनराशि द्वारा कुंभवली गांव के विकास में महत्वपूर्ण कदम सड़कों के निर्माण का भूमिपूजन सह निदेशक (उ.से.) व अध्यक्ष सीएसआर फंड पी.के.मिश्रा के शुभ हाथों मंगलवार 10 दिसंबर 2024 को दोपहर में ग्रामपंचायत कुंभवली कार्यालय के पास जिला नियोजन समिति के सदस्य शिवसेना जिला प्रमुख कुंदन बा.संखे की उपस्थिति में की गयी।

बतादें कि पालघर तहसील की ग्रामपंचायत कुंभवली की ओर से गांवों में जारी विकासशील योजनाओं के बीच कुछ आधे-अधूरे कार्यों को पूरा करने के लिए ग्रामपंचायत द्वारा एन.पी.सी.आई.एल. से किये गये मांग के उपरांत सीएसआर फंड से

स्वीकृत किये गये धनराशि द्वारा कुंभवली-एकलारे ,त्रेपन्न नगर,गजानन नगर,रामजी नगर,जयराम नगर,गणपत नगर गांवों के विकास की नई शुरूआत हो रही है।

जिले के विकास के लिए संकल्पित एनपीसीआईएल सीएसआर फंड के अध्यक्ष पी.के. मिश्रा ने भूमिपूजन के पश्चात उपस्थित जनों को संबोधित करते कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में मदद करना हमारी पहली प्राथमिकता है। इसके लिए कई योजनाओं शुरू है। शिवसेना प्रमुख कुंदन संखे ने एनपीसीआईएल द्वारा गांवों की मदद के लिए उठाये गये कदम की सराहना करते अधिकारियों को बधाई का पात्र बताया। वहीं सरपंच एड.तृप्ति संखे ने सड़क के निर्माण में मिले सहयोग के लिए अधिकारियों का आभार जताया। इस अवसर पर सिविल विभाग के प्रमुख एस.एन. धोटे, सीएसआर के सदस्य बलवंत कोरे, चेतन संखे, एनपीसीआईएल के कई अन्य अधिकारी गण के अलावा कुंभवली ग्रामपंचायत के उप सरपंच तथा सदस्य गण समेत बड़ी संख्या में ग्रामवासी मौजूद रहे।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

शॉर्ट सर्किट से लगी आग से लाखों का सामान जलकर राख

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुंगराबादशाहपुर प्रतापगढ़ रोड भगत सिंह मुहल्ले में बैटरी व इन्वर्टर की दुकान में बुधवार की सुबह शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। आग में नगदी समेत लाखों रुपए की बैट्री इंवर्टर व अन्य

इलेक्ट्रॉनिक सामान जलकर राख हो गया। आसपास के लोगों ने घंटो मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। लेकिन तब तक दुकान में रखा सारा सामान जलकर राख हो चुका था। थाना क्षेत्र के गांव सटवां निवासी कुलदीप सिंह (लकी) की प्रतापगढ़ रोड भगत सिंह मुहल्ले में कुलदीप इंटरप्राइजेज के नाम से बैटरी, इनवर्टर, बाइक बैट्री, सोलर पैनल एवं इलेक्ट्रिकल सामान की दुकान है। वह रात में करीब आठ बजे दुकान बंद करके घर सटवां चले गए। सुबह चार बजे भोर में पड़ोसियों ने दुकान से धुआं उठता देख तुरंत दुकानदार कुलदीप सिंह को फोन पर सूचना दी। मौके पर पहुंचे कुलदीप सिंह ने जैसे ही दुकान का शटर खोला आग की लपटें पूरे दुकान में फैल चुकी थी। दुकान में भीषण आग को देखकर आसपास के लोगों ने अपने-अपने घरों से बाल्टी में पानी लेकर आग बुझाने में जुट गए। घंटों मशक्कत के बाद किसी तरह आग में काबू पाया जा सका। दूकान मालिक के मुताबिक आग में बारह हजार रुपए नगदी समेत आठ लाख रुपए की बैटरी, इनवर्टर समेत दुकान में रखा अन्य कीमती सामान जल खाक हो गया।दुकान में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट मानी जा रही है।थानाध्यक्ष विनोद कुमार मिश्रा का कहना है कि आग लगने की सूचना पर पुलिस पहुंची और आग पर काबू पाने के प्रयास में जुटी रही। प्रथम दृष्टया आग लगने की वजह शार्ट सर्किट लग रही है।

सिस्टम से हार गया होनहार, पत्नी और जज पर लगाए गंभीर आरोप

रियाजुल हक क्राइम रिपोर्टर

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। पत्नी की प्रताड़ना से परेशान होकर एक होनहार नौजवान ने आत्महत्या जैसा घातक कदम उठा लिया। सुसाइड से उसने 40 पेज का सुसाईड नोट छोड़ रखा है। अपनी जान देने से पहले अतुल सुभाष ने 90 मिनट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। उसके बाद उस सुसाईड केस ने बहस का रूप ले लिया है। जौनपुर के रहने वाले अतुल बेंगलुरु में नौकरी करते थे। उन्होंने सोमवार को आत्महत्या कर लिया । उन्होंने जान देने से पहले सुसाइड नोट और 90 मिनट का एक वीडियो छोड़ा है। जिसमें अपनी पत्नी और ससुराल वालों पर उत्पीड़न और उसके खिलाफ झूठे मामले दर्ज करने का आरोप लगाया है। दुनिया को अलविदा कहने से पहले उन्होंने जौनपुर फैमिली कोर्ट की जज पर भी घूसखोरी और उत्पीड़न का आरोप लगाया है। इस प्रकरण को लेकर अब सोसल मीडिया पर खूब हंगामा मचा हुआ है।लोग अतुल के लिए न्याय की की मांग कर रहे हैं। वीडियो आने के बाद पुलिस ने अतुल सुभाष की आत्महत्या के मामले में पत्नी और उसके परिजनों के खिलाफ खुदकुशी के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया गया है। अतुल सुभाष ने वीडियो में कहा,जब तक मुझे

कहा- न्याय नहीं मिला तो गटर में बहा देना अस्थियां

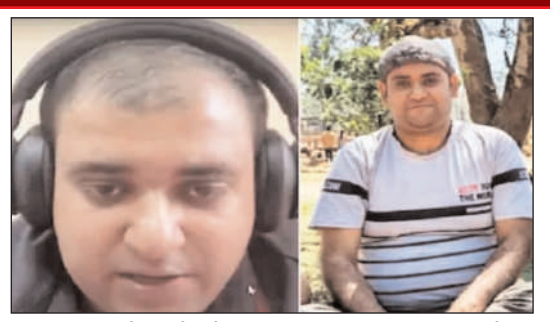

प्रताड़ित करने वालों को सजा नहीं मिल जाती तब तक मेरी अस्थियों का विसर्जन न किया जाय। यही नहीं सिस्टम से परेशान अतुल ने वीडियो में यहां तक कहा है कि अगर इतने सबूत होने के बाद भी कोर्ट उन्हें सजा नहीं देती तो मेरी अस्थियों को वहीं गटर के सामने बहा दिया जाए। अतुल ने वीडियो में अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए अपनी पत्नी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। वीडियो में उन्होंने बताया है कि 2019 में उनकी शादी जौनपुर की ही रहने वाली निकिता सिंघानिया से हुई थी। शुरू-शुरू में सब ठीक रहा। लेकिन जब निकिता बेंगलुरु से जौनपुर वापस लौटीं तो उनका व्?यवहार बदल गया।

जौनपुर पहुंचने के बाद निकिता सिंघानिया ने पति अतुल सुभाष,सास-ससुर समेत भाई पर दहेज उत्पीड़न और घरेलू हिंसा का केस कर दिया। इस मामले में जज की भूमिका पर सवाल उठाते हुए अतुल ने कहा कि एक के बाद एक 140 सम्मन जारी किया गया जिसके कारण उन्हें 40 बार बेंगलूर से जौनपुर आना पड़ा। 40 पन्नों के सुसाईड नोट में अतुल ने साक्ष्य सहित पत्नी उसके परिवार और जज पर गंभीर आरोप लगाए हैं।अतुल की वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद लो सिस्टम को दोषी बता रहे हैं। पेशे से एआई इंजीनियर अतुल सुभाष सिस्टम से लड़ाई हार गए।

मडियाहूँ पुलिस द्वारा दो हत्यारोपियों को किया गया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रभारी निरीक्षक मडियाहूँ के नेतृत्व में मु0अ0सं0-373/24 धारा 109(1), 103, 3(5) बी.एन.एस. थाना मड़ियाहूँ जनपद जौनपुर से संबंधित वांछित अभियुक्तगण 1.अतुल कुमार राजभर उर्फ प्रिन्स पुत्र रामतीरथ राजभर निवासी ग्राम मिजार्बेग दुगखर थाना सम्मनपुर जिला अम्बेडकर नगर, 2. सूरज चौहान पुत्र अरविन्द चौहान निवासी ग्राम मिजार्बेग दुगखर थाना सम्मनपुर जिला अम्बेडकर नगर को आज दिनांक 11.12.2024 को समय 14.05 बजे मुखबिर खास कि सूचना पर नन्दगंज बाजार से गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है। घटना का इस प्रकार है दिनांक 01.12.2024 को वादी रामआसरे पुत्र जगवन्ता यादव निवासी ग्राम बेलवा थाना मड़ियाहूँ, जौनपुर के लिखित तहरीर के आधार पर मु0अ0सं0-373/24 धारा 109(1), 103, 3(5) बी.एन.एस. थाना मड़ियाहूँ जनपद जौनपुर बनाम अज्ञात पंजीकृत किया गया था। विवेचना के दौरान पाया गया कि बोलेरो वाहन सं. वढ45छ8871 में चार लोग 1. अतुल कुमार उर्फ प्रिन्स राजभर पुत्र रामतीरथ राजभर 2. सूरज चौहान पुत्र अरविन्द चौहान 3. मनीष राजभर पुत्र रामआशीष राजभर निवासीगण ग्राम मिजार्बेग दुगखर थाना सम्मनपुर जिला अम्बेडकर नगर, 4. अभिषेक वर्मा पुत्र परसुराम वर्मा निवासी ग्राम सिकरोहर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर द्वारा दिनांक 1.12.2024 को जबरदस्ती नेहा (काल्पनिक नाम) को उसकी मर्जी के बगैर

साथ ले जाने का प्रयास किये, लड़कियो के बचाने हेतु चिल्लाने की आवाज पर लोगो ने पीछा किया और बोलेरो पर बैठे चारो लोगो ने जानबूझ कर वाहन को तेज चलाते हुए जान से मारने की नियत से पीछा कर रहे अनुज यादव व नीरज यादव की मोटर साईकिल, जो बोलेरो को रूकने का इशारा कर रहे थे तब भी बोलेरो वालो ने वाहन की रफ्तार बढाते हुए उनकी मोटरसाईकिल में जोरदार टक्कर मार दिये, जिससे मौके पर ही नीरज यादव की मृत्यु हो गयी थी और अनुज यादव गम्भीर रूप से घायल हो गये, जो धारा 109(1), 103,3(5) बी.एन.एस. का अपराध होने पर धारा 281,125(ए),125(बी),106 बीएनएस का लोप करते हुए धारा 109(1), 103,3(5) बी.एन.एस. की बढोत्तरी की गयी तथा अभियुक्तगण 1. अतुल कुमार उर्फ प्रिन्स राजभर पुत्र रामतीरथ राजभर 2. सूरज चौहान पुत्र अरविन्द चौहान 3. मनीष राजभर पुत्र रामआशीष राजभर निवासीगण ग्राम मिजार्बेग दुगखर थाना सम्मनपुर जिला अम्बेडकर नगर, 4. अभिषेक वर्मा पुत्र परसुराम वर्मा निवासी ग्राम सिकरोहर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर का नाम प्रकाश में लाया गया तथा आज दिनांक 11.12.2024 को मुखबिर खास की सूचना पर अभियुक्तगण 1. अतुल कुमार राजभर उर्फ प्रिन्स पुत्र रामतीरथ राजभर निवासी ग्राम मिजार्बेग दुगखर थाना सम्मनपुर जिला अम्बेडकर नगर, 2. सूरज चौहान पुत्र अरविन्द चौहान निवासी ग्राम मिजार्बेग दुगखर थाना सम्मनपुर जिला अम्बेडकर नगर को गिरफ्तार कर लिया गया है।

एनजीओ के बैनर तले लैंगिक हिंसा जागरूकता और समाधान का कार्यक्रम संपन्न

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जनपद की सामाजिक धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यों में अग्रणी संस्था अतुल्य वेलफेयर ट्रस्ट के द्वारा जौनपुर नगर के एक स्कूल में लैंगिक हिंसा जागरूकता और समाधान का कार्यक्रम मंगलवार को आयोजित किया गया जैसा की अतुल्य वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा सदैव अलग-अलग मुद्दों पर योजनाओं पर कार्य किया जाता है। इसी के अंतर्गत उर्वशी सिंह ने बताया कि एक नया मुहिम ट्रस्ट परिवार के द्वारा आयोजित किया जा रहा है जिसमें लैंगिक हिंसा को रोकने को लेकर जागरूकता का आयोजन किया जाएगा है। कार्यक्रम में स्कूल के बच्चों के बीच प्रोजेक्टर के माध्यम से कार्टून वीडियो दिखाकर उनको लैंगिक हिंसा के बारे में समझाया गया।आज जिस तरह से छोटे-छोटे बच्चे दुराचार का शिकार बन रहे हैं। ऐसे में बच्चों के साथ-साथ उनके अभिभावकों को भी जागरूक करने की आवश्यकता जरूरी है। उर्वशी

सिंह ने कहा कि बच्चों को तो हम थोड़ा समय देकर ही बस बता सकते हैं।पर उनके जो अभिभावक हैं वह उनके साथ ज्यादा समय तक रहते हैं वह बच्चों को ज्यादा अच्छे से इस पर जागरुक कर सकते हैं।

कार्यक्रम में जिला बाल संरक्षण अधिकारी चंदन राय ने बताया की आज जिस तरह से रोजाना केस बढ़ते जा रहे हैं। उसको देखते हुए सरकार के द्वारा भी बहुत सारी योजनाएं आज बच्चियों और बच्चों के साथ महिलाओं के लिए किया जा रहा ल है। सभी योजनाओं के बारे में अभिभावकों को कैलेंडर और पोस्टर के माध्यम से समझाया गया तथा साथ ही साथ कार्यक्रम ने महिलाओं को उनके अधिकारों, सरकारी योजनाओं और हिंसा से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक कर सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया। कार्यक्रम का उद्देश्य जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ, इसका उद्देश्य महिलाओं को उनके दैनिक जीवन में आत्मविश्वास और स्वतंत्रता के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित करना था।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में राजस्व वाद, आईजीआरएस एवं फार्मर रजिस्ट्री के संबंध में हुई बैठक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में पीठासीन अधिकारी राजस्व वादों के निस्तारण में गति लाते हुए लक्ष्य के अनुरूप वादों का निस्तारण सुनिश्चित

राजस्व वाद, आईजीआरएस एवं फार्मर रजिस्ट्री के संबंध में बैठक बुधवार देर सायं संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि सभी करें।फार्मर रजिस्ट्री हेतु रोस्टर वाइज कैंप लगाकर शत प्रतिशत किसानो की फार्मर रजिस्ट्री करना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने कहा कि आईजीआरएस पर प्राप्त होने वाले शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें तथा किसी भी दशा में संदर्भों को डिफॉल्टर की श्रेणी में न जाने दें, सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने मंडल स्तरीय अधिकारियों से समन्वय स्थापित करते हुए शिकायतों का ससमय निस्तारण सुनिश्चित करें।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी साईं तेजा सीलम, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राम अक्षयवर चौहान,ज्वाइंट मजिस्ट्रेट कुमार सौरभ कुमार,इशिता किशोर,नगर मजिस्ट्रेट इंद्रनंदन सिंह, उपजिलाधिकारीगण एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जलालपुर पुलिस ने एक किलो सौ ग्राम गांजा के साथ अभियुक्त को किया गिरफ्तार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। थाना जलालपुर पुलिस टीम द्वारा प्र0नि0 घनानन्द त्रिपाठी नेतृत्व में उ0नि0 विजय कुमार सिंह मय हमराह पुलिस टीम के चेंकिग के दौरान मुखबिर की सूचना पर पुरेंव बैदा तिराहे के पास से एक अभियुक्त राजकुमार गौतम उर्फ साहबलाल पुत्र स्व0 मुन्नालाल निवासी ग्राम बराई थाना जलालपुर जौनपुर को एक झोले में रखा हुआ एक किग्रा सौ ग्राम (1 किग्रा 100 ग्राम) गाजां के साथ गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0- 380/24 धारा 8/20 ठउढर अउळ का अपराध पंजीकृत किया गया, अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

भारतीय राजनीति में पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की योगदान रहेगा सदैव अविस्मरणीयः हंसराज विश्वकर्मा

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के रोहनिया विधान परिषद सदस्य एवं भाजपा जिलाध्यक्ष हंसराज विश्वकर्मा

ने बुधवार को सुबह अपने आवास कंचनपुर में कर्मठ, अनुभवी, कुशल रणनीतिकार, विधिवेत्ता, शिक्षाविद् भारत रत्न से सम्मानित पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी जी की जयंती पर शत-शत नमन करते हुए एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा ने कहा कि भारतीय राजनीति में उनका योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा।

इसके पश्चात विभिन्न क्षेत्रों से आये जनता जनार्दन के समस्याओं को सुनकर सबंधित अधिकारियों से बात कर उसका निवारण किया।इस अवसर पर मुख्य रूप से राकेश सिंह अलगू, सुधीर वर्मा उर्फ राजू, अजय विश्वकर्मा, रामचंद्र गौतम, पार्षद सुरेश पटेल गुड्डू, पार्षद श्याम भूषण शर्मा, अजय दुबे, गौरव पटेल, गोपाल पटेल, शशि प्रकाश सिंह, राम सिंह यादव कल्लू,उदय भान सिंह पटेल ,गोविंद दास गुप्ता इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

एड्स के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

जलालपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बयालसी पीजी कॉलेज जलालपुर की प्राचार्य डॉ. अलकेश्वरी सिंह के संरक्षकत्व में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में एड्स

के प्रति स्वयंसेवकों, स्वयंसेविकाओं एवं महाविद्यालय के छात्र,छात्राओं को जागरूक किया गया। जिसमें महाविद्यालय के विभिन्न संकायों के आचार्यों द्वारा महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं स्वयंसेवक स्वयंसेविकाओं को वैश्विक बीमारी एड्स से होने वाले शारीरिक क्षति और उसके संक्रमण से बचने के लिए विभिन्न उपायों के विषय में जागरूक किया गया। विज्ञान संकाय के प्राध्यापिका कुमारी बबीता मैडम ने अपने संबोधन में कहा कि यह एक वायरस जनित बीमारी है जो हमारे शरीर के प्रतिरक्षा तंत्र को खत्म कर देता है। यह बीमारी किसी को छूने से, किसी के साथ उठने बैठने से नहीं होती है बल्कि इसका संक्रमण दूषित खून के द्वारा होता है,असुरक्षित, संक्रमित उपकरणों के प्रयोग होता है ।विज्ञान संकाय के डॉ. आकाश कुमार पटेल ने कहा कि यह बीमारी एक वैश्विक समस्या है । इससे पूरे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता खत्म हो जाती है ।बचाव ही एकमात्र उपाय है। लाल साहब सिंह ने इसके वैज्ञानिक कारणों पर प्रकाश डाला ।अपने संबोधन में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. संजय नारायण सिंह ने कहा कि यह ऐसी बीमारी है जिसका जिसका उपाय सिर्फ बचाव है ।असुरक्षित, यौन संबंध, दूषित सिरिंज का प्रयोग करने से , संक्रमित उपकरणों के प्रयोग से यह बीमारी होती है। वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ बृजेश कुमार मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि एड्स एक वैश्विक समस्या है इससे हमें डरने की जरूरत नहीं है संक्रमित व्यक्ति के प्रति अगर हम सकारात्मक भाव रखें तो हम उसकी मदद कर सकते हैं। कार्यक्रम अधिकारी डा.जगत नारायण सिंह ने कहा कि इस बीमारी से हम जागरूकता के द्वारा बच सकते हैं और इसमें युवाओं का बहुत बड़ा योगदान है युवा जागरुक होंगे तभी हमारा समाज जागरूक होगा और हम इस भयंकर बीमारी से अपने को बचा सकते हैं। युवा पीढ़ी को मार्गदर्शित कर सकते हैं । कार्यक्रम में आए हुए सभी सम्मानित प्राध्यापकों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया ।कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी सोमारू राम के द्वारा किया गया है।

मां काली की सिद्धि प्राप्त करने के लिए काट ली गर्दन और गंवा दी जान

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। वाराणसी में घर के आंगन में बैठे पुजारी द्वारा पूजा-पाठ के दौरान गर्दन काट कर जान देने की घटना को लेकर इलाके में तरह- तरह की चचाएं हो रही हैं। उसने पूजा के दौरान मां काली दर्शन दो, मां काली दर्शन दो यह कहते हुए गर्दन रेत लिया था। अमित को माँ काली में थी अटूट श्रद्धा सूरज प्रसाद मेहरा और आसपास के लोगों ने बताया कि अमित पूजा पाठ में बहुत विश्वास रखता था। वह काशी विश्वनाथ मंदिर में लोगों को दर्शन-

पूजन कराने के साथ ही खुद भी नियमित पूजा-पाठ करता था। वह घर के आंगन में पूजा करते समय अचानक ऐसा कदम उठा लिया। थाने से दो किमी की दूरी पर घटना, साढ़े पांच घंटे बाद पहुंचे इंस्पेक्टर अमित की मौत के बाद शाम 6 बजे इंस्पेक्टर कोतवाली मौके पर पहुंचे और मामले की छानबीन की। शाम 7 बजे तक पुलिस को पता ही नहीं चल सका कि अमित का शव और उसके परिजन कहां हैं। कोतवाली थाने से करीब दो किलोमीटर की दूरी पर घटना हुई। इसके बावजूद साढ़े पांच घंटे बाद इंस्पेक्टर घटनास्थल पर पहुंचे। यह है पूरा मामला राजघाट निवासी अमित शर्मा (40) अपनी पत्नी जूली और बेटे समीर (10) के साथ पिछले सात साल से गायघाट पत्थरगली में अधिवक्ता सूरज प्रसाद मेहरा के मकान में किराये पर रहता था। मंदिरों में पूजा पाठ के साथ ही धार्मिक पर्यटकों को काशी दर्शन भी कराता था। मकान मालिक सूरज प्रसाद ने बताया कि सोमवार की दोपहर के समय अमित घर के आंगन में पूजा कर रहा था। पत्नी जूली खाना बना रही थी।

माहवारी स्वच्छता पर महिलाओं ने निकाली जागरूकता रैली, सैनेट्री पैड बांटकर किया जागरूक

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के राजातालाब आशा ट्रस्ट और लोक समिति के संयुक्त तत्वावधान में चंदापुर गाँव में मासिक उत्सव का आयोजन किया गया। इस दौरान सैकड़ों लड़कियों और महिलाओं ने माहवारी पर चंदापुर बाजार से जयापुर गांव तक जागरूकता निकाली गई। रैली में शामिल महिलाएं व लड़कियां 'माहवारी पर चुप्पी तोड़ो,स्वस्थ जीवन से नाता जोड़ो' 'मां बनने पर गर्व है फिर माहवारी पर क्यों शर्म है।पीरियड का खून नहीं तुम्हारी सोच गंदी है।जैसे जोरदार नारे लगाई। सभी के हाथों में पोस्टर भी थे जिन पर माहवारी स्वच्छता पर स्लोगन लिखे थे।इस दौरान आशा सिलाई केंद्र चंदापुर में माहवारी स्वच्छता पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में माहवारी को लेकर भ्रांतियों और संकोच को छोड़ने पर चर्चा हुई और पीरियड के दौरान साफ सफाई और संतुलित खानपान की जानकारी दी गई।किशोरी संगठन की संयोजिका सोनी ने कहा कि माहवारी एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। इसको लेकर महिला या किशोरियों को अपवित्र मानने और धार्मिक अनुष्ठानों से दूर रखने की समाज की अवधारणा को बदलने की आवश्यकता है। इस दौरान लड़कियों और महिलाओं को मुफ्त सेनेटरी पैड वितरित किया गया। लोक समिति संयोजक नन्दलाल मास्टर ने बताया कि आराजी लाइन और सेवापुरी ब्लाक के 70 गांवों में माहवारी स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है।रैली की अगुवाई लोक समिति से सोनी,संचालन मैनब,धन्यवाद आशा राय ने किया। रैली में मुख्य रूप से मैनब सिताबुन मनीषा, आशा, रानी, जीरा, मुनरा, प्रिया, माला, चंदा, शीला, प्रभावती, रूखसाना, शहनाज, सलमा, सबीना, मेहरुनीशा, बदरूनीशा, शहजादी, कुसुम, रबीता, मधुबाला, मधु, अनीता आदि लोग मौजूद रहीं।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से पीआरडी जवान की मौत

धर्मेंद्र कुमार शर्मा

बदलापुर,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र अन्तर्गत सरोखनपुर में स्थित निरीक्षण भवन के पास बुधवार की सुबह ड्यूटी से घर लौटते समय पीआरडी का जवान अज्ञात वाहन की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गए।सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल पीआरडी के जवान को उपचार हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले आए।जहां पर चिकित्सक ने देखते ही मृत घोषित कर दिया। जानकारी के मुताबिक खुटहन थाना क्षेत्र के

रमनीपुर गांव निवासी 45 वर्षीय संजय कुमार उपाध्याय पुत्र प्रज्वलित उपाध्याय तेजी बाजार थाने पर पीआरडी जवान के रूप में तैनात थे। रात्रि में ड्यूटी करके घर वापस आ रहे थे कि निरीक्षण भवन के पास अज्ञात वाहन की चपेट में आने से उनकी मौत हो गई। पुलिस शव को कब्जे में लेकर आवश्यक विधिक कार्रवाई में जुटी है।

जमीन पर अवैध कब्जे के खिलाफ जिला प्रशासन से युवती ने लगाई गुहार

◆ कबीरूद्दीनपुर जैसी घटना की आशंका

डॉ.इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर के पुरूषोत्तमपुर उर्फ पाण्डेयपुर परगना हवेली, तहसील सदर, जौनपुर में स्थित गाटा सं० 86क/0.16200, 78/0. 125हे0, 84/0. 0080हे0 85 / 0.0400 हे० है काश्त करने से रोकने व अवैध तरीके से कब्जा करने के सम्बन्ध में एक युवती ने आज यहां जिला प्रशासन के कार्यालय पर पहुंच कर जिला पुलिस अधीक्षक को एक प्रार्थना पत्र देकर बताया है कि प्रार्थिनी उपरोक्त पते की स्थायी निवासिनी है।प्रार्थिनी द्वारा गाटा सं० 86क / 0.1620हे0, 78/0.1250 हे0, 84/ 0.0080हे० 85/0. 0400 हे० पर काबिज दाखिल चले आ रहे है। है। जबकि उपरोक्त लोगो का

जिस पर प्रार्थिनी के पट्टीदार त्रिभुवन, दिलीप कुमार, आद्या शंकर, अवधेश कुमार पुत्रगण विश्राम व सुजीत कुमार पुत्र त्रिभुवन, पियारी देवी पत्नी त्रिभुवन और अन्य परिवार के सदस्यों द्वारा भूमि काश्त करने पर आकर मौके पर ट्रैक्टर के सामने लेट जाती है तथा काश्त करने से रोक देते उपरोक्त गाटे से कोई सम्बन्ध नहीं है और मौके पर उपरोक्त लोग आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्ति है, और पूर्व में गम्भीर मुकदमों में वांछित है। उक्त लोगो द्वारा हम प्रार्थिनी को लगातार जान से मारने की धमकी दी जाती है एवं कहा जाता है कि हम तुम्हारी भूमि काश्त नहीं करने देंगे जो करना है कर लो,हमारा कोई कुछ नहीं कर सकता।मेरे परिवार में पिता मेरे नहीं है मेरी मां चलने फिरने में असमर्थ है। इसलिए हम प्रार्थिनी की पुत्री गार्गी यादव प्रार्थना पत्र दे रही है।उसने जिला पुलिस अधीक्षक से गुहार लगाई है कि उपरोक्त प्रकरण का जांच कराकर विधिक कार्यवाही करने की कृपा करें ताकि उक्त प्रार्थिनी के साथ न्याय हो व प्रार्थी अपनी भूमि काश्त कर सकें। प्रार्थिनी गार्गी यादव पुत्री निर्मला देवी पत्नी स्व० उमाशंकर सा०मौजा कदम रसूल हुसेनाबाद परगना हवेली, थाना लाइन बाजार तहसील सदर जिला जौनपुर की रहने वालीं हैं।एक तरफ तो जहां जिले में अभी भूमि विवाद में एक किशोर की तलवार से

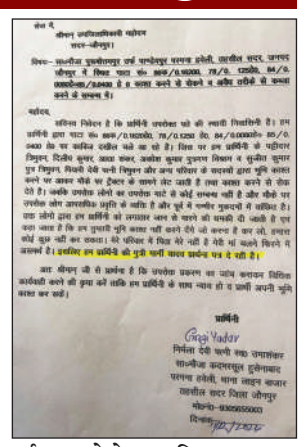

गर्दन काटने के बाद जिला प्रशासन की छीछा लेदर हुई थी।उसके बाद भी जमीनी विवाद को अगर जिला प्रशासन हल्के में लेगा तो फिर उस जैसी कोई घटना की पुनरावृति हो सकती है।

साईंशरण धाम मंदिर की मनाई गई चौथी वर्षगांठ

मुंबई। चांदीवली, काजूपाड़ा, सेनानगर में ओम साईं शरण श्री लॉरेंस बाबा सेवा ट्रस्ट द्वारा संचालित साईं शरण धाम मंदिर की चौथी वर्षगांठ मनाई गई। इस मौके पर आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली, अध्यक्ष लॉरेन्स डिसोजा, नेन्सी डिसोजा, बाबू बत्तेली, सुभाष गायकवाड, रियाझ मुल्ला, पवन जैन, दिपक बारीया, अभिषेक पाटील, सचिन सावंत,शली डिसोजा, क्यारन डिसोजा, त्रिशा दिलीप महाराणा उपस्थित थे।

गणित के पूर्व प्रवक्ता शिवशंकर तिवारी का पत्रकार शिष्यों ने किया सम्मान

जौनपुर। श्री बजरंग इंटर कॉलेज, घनश्यामपुर में 40 वर्षों से अधिक समय तक गणित का अध्यापन कार्य करने वाले पूर्व प्रवक्ता शिवशंकर तिवारी का आज उनके दो प्रिय शिष्यों संपादक डॉ सुभाष चंद्र पांडे तथा वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे द्वारा लखनेपुर स्थित उनके घर जाकर सम्मान किया गया। जीवन के 82 बसंत देख चुके शिवशंकर तिवारी आज भी पूरी तरह से फिट और सक्रिय हैं। काफी देर तक उन्होंने बीती यादों को साझा किया। इस अवसर पर उनके पुत्र एडवोकेट जयप्रकाश तिवारी उपस्थित रहे।

पूजा मिश्रा के शुभ विवाह में उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा हुए शामिल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। दैनिक उत्तरशक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा अपने पैतृक गांव रोहियांव विकास खंड सुजानगंज, पोस्ट मधुपुर, जिला जौनपुर उत्तर प्रदेश में अपने भतीजी पूजा रमापति मिश्रा के शुभ विवाह में उपस्थित होकर वर-वधू को आशीर्वाद प्रदान किया। जिसमें फुफा रमाकांत ऊषा दुबे, बड़े फुफा शेषराज जयदेवी तिवारी, उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा, माता पिता रमापति पुष्पा मिश्रा, बड़े पिता उमाशंकर मिश्र ने कन्यादान किया और आशीर्वाद प्रदान किया। साथ में ऊषा उमाशंकर मिश्र, मोहिनी मिश्रा, फूल चंद मिश्रा, रमाशंकर मिश्रा, विजय चंद उर्मिला मिश्रा, सभापति सविता मिश्रा, आशुतोष मिश्रा, सिद्धार्थ मिश्रा, दिपक मिश्रा, अभिषेक मिश्रा (प्रिंश), योगेश मिश्रा (बंटू), रोहित द्विवेदी, मोहित द्विवेदी, वरिष्ठ समाजसेवी राम लखन मिश्रा , द्विवेश मिश्रा (छोटू), आदित्य मिश्र, अधिवक्ता सुधांशु मिश्रा, सुभाष चन्द्र मिश्रा, पुर्व शिक्षक ब्रम्हदेव तिवारी सहित कई लोगों ने वर-वधु को आशीर्वाद प्रदान किया।

पिकअप से टकराई कार, एक की मौत

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। कंधरापुर थाना क्षेत्र के बाजार और जयपुरिया स्कूल के बीच मंगलवार की देर रात लगभग 10.45 बजे गन्ना लदी ट्राली और पिकअप की टक्कर हो गई। इस घटना में एक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि 10 लोग इसमें घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और घायलों को एंबुलेंस से अस्पताल भेजा। जानकारी के अनुसार मऊ जनपद के लगभग 20 से 25 की संख्या में लोग एक पिकअप के जरिए आजमगढ़ और अकबरपुर जनपद की सीमा पर लगने वाले गोविंद साहब मेले में गए थे। देर रात वह पिकअप से वापस मऊ जा रहे थे। कंधरापुर थाने और जयपुरिया स्कूल के बीच मंदुरी की तरफ से एक गन्ना लदी ट्रैक्टर और ट्राली आजमगढ़ की तरफ आ रही थी।

सांसद दरोगा सरोज से कैलाश यादव ने की मुलाकात

नईदिल्ली। उत्तर प्रदेश आजमगढ़ जिला के लालगंज संसदीय क्षेत्र के सांसद दरोगा सरोज से राष्ट्रीय प्रवक्ता कैलाश चंद्र धारी यादव उत्तर यादव युवा संघ मैं एक औपचारिक मुलाकात की। मुलाकात के दौरान दरोगा सरोज से विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर विचार विमर्श किया गया। दरोगा सरोज ने कहा कि क्षेत्र विकास के लिए हमारी जहां भी जरूरत पड़ेगी हम तन मन धन से हमेशा खड़ा रहुंगा। समाज का सेवा करना हमारा कर्तव्य है और हम समाज के लिए निष्ठा से आप लोगों के साथ में खड़े रहेंगे। उन्होंने ने कहा कि उत्तर यादव युवा संघ एक ऐसी संस्था है जो सदा समाज हित में विभिन्न सामाजिक कार्य करती रहती है। मुंबई से चलकर राष्ट्रीय प्रवक्ता कैलाश चंद्र धारी यादव मुझसे मिलने के लिए आए गुजरात प्रदेश हरिराम यादव के माध्यम से मैं कैलाश को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। दरोगा सरोज कैलाश यादव का सम्मान किया और काफी मुद्दों पर चचाएं की।

कॅप्टन तमिळ सेल्वन दी बधाई

मुंबई। गत 2024 सायन कोळीवाडा विधानसभा के विधायक कॅप्टन तमिळ सेल्वन को लगातर तीसरी बार विजयी होने पर उनके कार्यालय में लोगों ने शाल व श्रीफल देकर बधाई दी। बधाई देने वालों में उत्तरशक्ति हिंदी दैनिक समाचार पत्र के संवाददाता सुखविंदर सिंह,देवदास मुरांजन सहित कई लोग मौजूद रहे। इस मौके पर विधायक ने उपस्थित लोगों को धन्यवाद देते हुए कहा कि आप लोगों के लिए कभी भी किसी भी समय मिलने के लिए मैं हर संभव उपस्थित रहूंगा।आप लोगों की शिकायतों को हर संभव निस्तारण करने का प्रयास करूंगा।

झगड़ाकर पत्नी मायके गई तो आहत पति ने फंदा लगाकर की खुदकुशी

बांदा (उत्तरशक्ति)। चाचा की शादी में जाने के लिए पत्नी ने पति से झगड़ा कर लिया। पति ने साथ चलने के लिए कही, लेकिन पत्नी नहीं मानी और चली गई। इससे आहत पति ने मंगलवार की रात साड़ी से फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। निमंत्रण से लौटे पिता ने देखा तो शव फंदे पर लटकता मिला। शहर के मर्दननाका मोहल्ले में लालाभइया अखाड़ा निवासी रामबाबू (25) की पत्नी मिथलेश चाचा की शादी में शामिल होने चार दिसंबर को मायके चली गई। इसी बात को लेकर रामबाबू परेशान रहने लगा। मंगलवार की रात दरवाजा बंद कर रामबाबू ने कमरे में साड़ी का फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली।

बीएसवीएस रक्तदान शिविर में सर्व समाज ने बड़े पैमाने पर किया रक्तदान

मुंबई (उत्तरशक्ति)। गत रविवार को बिन्द समाज विकास संघ द्वारा आयोजित ब्लड डोनेट कैंप लगाया गया। जिसमें सर्व समाज के लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। बता दे कि बिंद समाज विकास संघ एक सामाजिक संगठन है जो सदैव समाजहित के लिए निरंतर कार्य करता आ रहा है। राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ० शेषधर बिन्द की अगुवाई में यह संगठन 8 दिसंबर 2024 को एक दिवसीय स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

इस शिविर का उद्घाटन मुंबई प्रदेश के समाजसेवी एवं सनदी लेखाकार सी. ए. किशोरीलाल बिन्द के द्वारा किया गया और सर्व प्रथम उन्होंने सपरिवार रक्तदान किए।

कहते है कि खून की पहचान किसी धर्म, जात-पात की नही होती। लोग केवल मानवता के लिए हमेशा कार्य करते रहते है। जिसका उदारहरण इस रक्तदान शिविर में आये हुए सर्व समाज के रक्तदाता गण द्वारा दिखा।सर्व समाज के समाजसेवी संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ शेषधर बिन्द के आह्वान पर इस शिविर में सर्व समाज के लोगों ने बड़े पैमाने में बढ़ चढ़ कर भाग लिया और रक्तदान दिया। इस शिविर में विशेषकर महिला शक्ति की बड़े पैमाने पर उपस्थिति रही । सुरत, गुजरात से चलकर संघ के महिलाओं ने भी इस शिविर में सम्मिलित होकर रक्तदान दिया। लायन ताराचंद बापा हॉस्पिटल एन्ड रिसर्च सेंटर के प्रबंधक और टीम एवं डोम्बिवली ब्लड सेंटर की टीम द्वारा इस शिविर के लिए हर तरह की सुविधा मुहैया करवाने और सहयोग करने के लिए संघ ने हॉस्पिटल डॉ. और सहयोगियों की बहुत सराहना की। रक्तदान करने वाले रक्त दान दाताओं को ब्लड बैंक की तरफ से ब्लड डोनेट सर्टिफिकेट और संघ की तरफ से एक ब्लड डोनेट सर्टिफिकेट से सम्मानित किया गया। सभी को संघ की तरफ से फल, जूस, बिस्कुट, चाय, पानी एवं नाश्ते का विशेष रूप से प्रबंध किया गया था। सभी रक्त दानदाताओं को संघ और सभी कार्यकताओं की तरफ से कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद दिया गया।

दो बाइकों की आपस में हुई जोरदार टक्कर, 3 मौत

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले के सराय ममरेज क्षेत्र में भीषण सड़क हादसे के चलते तीन लोगों की मौत हो गई है। वहीं तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। जिसके बाद सभी घायलों को आनन-फानन में प्रतापपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। जहां उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें रानी नेहरू अस्पताल रेफर कर दिया गया है। साथ ही सभी मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। शुक्रवार रात सराय ममरेज थाना क्षेत्र के पास दो बाइकों की आपस में भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि तीन युवकों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं दोनों बाइक पर सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख पुकार मच गई। सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रतापपुर ले जाया गया। जहां से गंभीर अवस्था में डॉक्टरों ने उन्हें प्रयागराज के रानी नेहरू अस्पताल रेफर कर दिया। बता दें कि सराय ममरेज और फूलपुर पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फूलपुर क्षेत्र के प्रतापपुर खुर्द के रहने वाले राहुल यादव (25) अपने साथी चंचल (17) निवासी प्रतापपुर, विजय (25) निवासी जंघई के साथ बाइक से मियां का पूरा की तरफ जा रहे थे। जबकि फूलपुर की ओर से बाइक सवार सनी कुमार (24) निवासी बौड़ई, विकास कुमार (25) व मनजीत कुमार (20) निमंत्रण से घर लौट रहे थे। रात करीब 9:30 बजे दोनों बाइक की सराय ममरेज थाना क्षेत्र के सेमरी के सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में राहुल यादव, सनी कुमार और मनजीत कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं चंचल, विजय और विकास कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए।

लग्जरियस सुविधाओं के साथ एग्जीबिशन रोड में खुला होटल एक्विला

पटना (उत्तरशक्ति)। द नेक्सस ग्रुप द्वारा संचालित एक्विला - होटल एंड कन्वेंशंस का शुभारंभ पटना के एग्जीबिशन रोड चौराहा स्थित सुशीला सदन में किया गया। सभी अत्याधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण इस होटल का उद्घाटन मुख्य अतिथि एक्विला - होटल एंड कन्वेंशंस के ओनर कमांडर नीरद सिन्हा, डॉ. प्रो. मिथिलेश कुमारी, आरती कुमारी व द नेक्सस ग्रुप के फाउंडर व डायरेक्टर प्रणव कुमार के द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया। शुभारंभ के पश्चात मीडिया को संबोधित करते हुए द नेक्सस ग्रुप के फाउंडर व डायरेक्टर प्रणव कुमार ने कहा कि यह होटल अतिथियों की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए सभी सुविधाओं से परिपूर्ण है। यह होटल राजधानी के सभी मुख्य कॉरपोरेट कार्यालयों, सरकारी कार्यालयों, व्यावसायिक कार्यालयों एवं ऐतिहासिक धरोहरों के बेहद ही नजदीक है।

द नेक्सस द्वारा संचालित यह होटल बैंक्वेट हॉल, एग्जीक्यूटिव, डीलक्स व प्रीमियम रूम्स, सहित अन्य सभी प्रकार की सुविधाओं से सुसज्जित है जिनमें फ्री पार्किंग, कम्प्लीमेंटरी ब्रेकफास्ट, हाई स्पीड वाई - फाई, इलेक्ट्रॉनिक सेफ, मिनी फ्रिज, टेलीफोन, बड़े वाडोरोब, लगेज रैक, कॉफी टेबल के साथ सोफा, टी - कॉफी मेकर, टीवी मौजूद है। उन्होंने कहा कि हम ग्राहकों को अपने इस होटल के द्वारा एक नया एवं सुखद अनुभव प्रदान करने के लिए आमंत्रित करते हैं तथा सदैव उनके सहयोग की अपेक्षा करते हैं। इस अवसर पर होटल के सभी कर्मचारियों सहित शहर के कई गणमान्य अतिथि भी मौजूद रहे।

उड़ाका दल के साथ हुई मारपीट के मामले पर शिक्षक समूह कुलपति से मिला

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की बुधवार को परीक्षा में प्रथम पाली में एक कॉलेज में उड़ाका दल के साथ कॉलेज के कर्मियों की मारपीट हो गई। मारने पीटने से नाराज उड़ाका दल की टीम व शिक्षक नेताओं ने कुलपति से मुलाकात की। कॉलेज पर कार्रवाई की मांग की। बता दें कि बुधवार के प्रथम पाली में उड़ाका दल के संयोजक डॉ योगेश शर्मा उनके साथ डॉ राजेश कुमार सिंह, डॉ किरण यादव, राम लखन सिंह, शिक्षण संस्थान नकहरा खानदेव सिगरामऊ में परीक्षा के निरीक्षण में पहुंची । इस दौरान आरोप है कि वहां परीक्षा में तैनात कर्मचारियों से आईडी दिखाने की मांग को लेकर कहां सुनी हुई। देखते-देखते दोनों ओर से हाथ हाथापाई होने लगी। उड़ाका दल के टीम के संयोजक डॉ.योगेश शर्मा का कहना है कि कालेज कर्मियों ने जमकर पीट दिया। उन्हें गंभीर चोटें आई हैं। मामला शिक्षक संघ के जानकारी में पहुंचा। शिक्षक संघ के अध्यक्ष डा राहुल सिंह, पूर्व अध्यक्ष डा. विजय प्रताप सिंह, महामंत्री डा. शैलेंद्र सिंह , शिक्षक नेता डॉ नीलेश सिंह शिक्षक नेताओं के साथ और सभी उड़ाका दल की टीम विश्वविद्यालय में पहुंच गई। कुलपति प्रो. वंदना सिंह, परीक्षा नियंत्रक डा विनोद कुमार सिंह, उपकुलसचिव अजीत प्रताप सिंह से मुलाकात की। उन्हें बताया कि परीक्षा में नकल कराई जा रही थी। जिसका विरोध किया गया।उस पर कालेज कर्मियों के साथ मारपीट की, शिक्षक नेताओं ने मांग की की वहां की परीक्षा केंद्र को रद्द किया जाए और मारपीट करने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई किया जाए। कुलपति प्रो वंदना सिंह ने आश्वासन दिया कहा की कॉलेज अनुशासन को तोड़ा है। उसके खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद शिक्षक नेताओ ने आरोपी कॉलेज और कालेज कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए पुलिस अधीक्षक डॉ अजय पाल शर्मा से मिलकर ताहिर दिया । इस दौरान उत्तर प्रदेश स्ववित्तपोषित महाविद्यालय शिक्षक एशोसियेशन के महामंत्री डॉ.निलेश कुमार सिंह ने कुलपति को ज्ञापन देते हुए उडाका दल के संयोजक और सदस्यों पर जानलेवा हमले की घोर निंदा की और मामले की जांच के साथ ही कॉलेज के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की। इस दौरान वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ.जेपी सिंह, डा.राजबहादुर यादव, डॉ.प्रभाकर सिंह,डॉ.अमित सिंह,डॉ.संजीव सिंह ,डॉ विजय तिवारी ,डॉ.प्रवीण सिंह ,डॉ यादवेश यादव,डॉ.प्रशांत त्रिवेदी, डॉ.लक्ष्मण सिंह,डॉ.अवनीश यादव, डॉ.राजेश सिंह मौजूद रहे।

देश के 140 करोड़ लोगों के मन में जो 'अजेय भारत' का विश्वास है : अमित शाह

जोधपुर। राजस्थान के जोधपुर में सीमा सुरक्षा बल के 60वें स्थापना दिवस समारोह परेड में बतौर मुख्य अतिथि अपनी उपस्थिति दर्ज करते हुए केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने यह स्पष्ट किया कि, देश के 140 करोड़ लोगों के मन में जो 'अजेय भारत' का विश्वास है, उसका पूरा श्रेय सीमा पर खड़े जवानों को जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कुशल मार्गदर्शन में बीते कुछ वर्षों में आंतरिक सुरक्षा से लेकर सीमा सुरक्षा तक की दिशा में एक बड़ा परिवर्तन देखने को मिला है, और इस बात को पूरी दुनिया ने देखा है। 60 सालों से साहस, शौर्य और बलिदान के दम पर सीमा सुरक्षा बल ने न केवल देश की फर्स्ट लाइन ऑफ डिफेंस को ताकतवर बनाने का काम किया है, बल्कि सीमा पर आने वाली सभी चुनौतियों का मुकाबला कर देश की सुरक्षा की प्रथम पंक्ति को सशक्त भी किया है। 1 दिसंबर, 1965 से लेकर आज तक सीमा सुरक्षा बल ने निरंतर देश की पूर्वी और पश्चिमी सीमा की सुरक्षा को चाक-चौबंद रखने का काम किया है। शाह ने पूरे देश को यह संदेश दिया कि देश की सुरक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान करने वाले जवानों का देश की जनता सदैव ऋणी रहेगी। एक समय में 25 बटालियन से शुरू हुआ यह बल आज 193 बटालियन तक पहुँच गया है, जिसमें 2 लाख 70 हजार जवान की संख्या है जो विश्व का सबसे बड़ा सीमारक्षक बल है। सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने साल 2024 में भी जाली मुद्रा, नारकोटिक्स, घुसपैठ और वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ लड़ने का अपना रिकॉर्ड अनेक अभियानों के माध्यम से बरकरार रखा है। देश की प्रथम रक्षा पंक्ति के रूप में 1,992 सीमा प्रहरियों ने अपने प्राणों की आहुति दी है और अब तक उनमें से 1,330 जवानों को पदक दिए गए हैं। इनमें 1 महावीर चक्र, 6 कीर्ति चक्र, 13 वीर चक्र, 13 शौर्य चक्र, 56 सेना मेडल और 1,241 पुलिस पदक शामिल हैं।

दूरदर्शी कदम नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2024: डॉ दयानंद तिवारी

मुंबई (उत्तरशक्ति)। नई शिक्षा नीति (एनईपी) 2024, भारत की शिक्षा प्रणाली को बदलने के लिए एक दूरदर्शी कदम है। यह नीति, शिक्षा को समावेशी, न्यायसंगत, और गतिशील बनाने के लिए कई सुधारों को लागू करने पर ध्यान केंद्रित करती है। नई शिक्षा नीति के कुछ प्रमुख पहलू कौशल-आधारित शिक्षाः इस नीति का मकसद है कि रटने की शिक्षा की जगह कौशल-आधारित शिक्षा पर जोर दिया जाए। इसमें आलोचनात्मक सोच, कल्पना, और समस्या-समाधान कौशल पर ध्यान दिया जाएगा। इस संबंध में सभी को पूरी जानकारी होनी चाहिए। यह आलेख उसका सार है। समावेशिता इस नीति का मकसद है कि सभी बच्चों को समान शिक्षा मिले और शिक्षा के प्रयासों में सफलता पाने के लिए सभी को समान अवसर मिलें। मेरा शिक्षकों से नम्र निवेदन है कि इस आलेख का एक कॉपी हर विद्यार्थी को उपलब्ध कराने का कष्ट करें । जिससे वे जानें कि नई शिक्षा नीति का महत्व क्या हैं। स्थानीय भाषाओं और संस्कृतियों पर जोरः इस नीति के तहत, स्थानीय भाषाओं और संस्कृतियों पर जोर दिया जाएगा। डिजिटल शिक्षा, इस नीति में डिजिटल शिक्षा को अहमियत दी गई है। तकनीक के जरिए शिक्षण को रोचक बनाने के लिए कंप्यूटर, लैपटॉप, और फोन जैसे उपकरणों का इस्तेमाल किया जाएगा। स्ट्रीम बाधाओं को तोड़नाः इस नीति का मकसद है कि कला, विज्ञान, और वाणिज्य जैसी धाराओं के बीच पारंपरिक विभाजन को खत्म किया जाए।

मरम्मत के दूसरे दिन ही उखड़ने लगीं सड़क की गिट्टियां

आजमगढ़। बिलरियागंज ब्लॉक के मानपुर गांव को आजमगढ़-रौनापार मुख्य मार्ग से जोड़ने वाले संपर्क मार्ग की मरम्मत जिला पंचायत की ओर से कराई गई है। इसमें गुणवत्ता और मानकों का ध्यान नहीं रखा गया है। एक दिन बाद सड़क की गिट्टियां उखड़ गई हैं। इससे ग्रामीणों में रोष है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क में न तो तारकोल का पता है और न गिट्टी का। सड़क के नीचे भस्सी की परत दिख रही है। पैर मारते ही सड़क गिट्टी उखड़ जा रही है। आजमगढ़-रौनापार मुख्य मार्ग पर पटवध स्थित इंटर कॉलेज के बगल से होकर मानपुर होते हुए हरखपुर जाने वाला मार्ग वर्षों से खस्ताहाल था। ग्रामीणों की मांग पर जिला पंचायत ने दो वर्ष पहले 800 मीटर लंबे इस मार्ग के लिए 22 लाख रुपये का टेंडर आमंत्रित किया।

सकल हिंदू समाज द्वारा पदयात्रा का आयोजन

नालासोपारा। नालासोपारा में भारतीय जनता पार्टी वसई विरार जिला द्वारा बांगलादेश मे हिंदूओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ आज नालासोपारा पश्चिम में सकल हिंदू समाज द्वारा पदयात्रा का आयोजन किया गया। जहां भारी संख्या में कार्यकर्ता, प्रशंसक, पदाधिकारी उपस्थित हुए। जिसमें भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटील, प्रज्ञा पाटिल, संध्या दुबे, सोनी अरोरा, गुरजीत अरोरा, मीरा रावल, मनोज बारोट, सोशियाल मीडिया अध्यक्ष केतन गांधी, अभय कक्कड़, ओबीसी मोर्चा नीलेश राणे, किरण पवार, मनोज शर्मा, लवली शर्मा, वसई मंडल अध्यक्ष महेश सरवनकर, अर्जुन इंगोले, दीपक शर्मा, चेतन पगी, जिला युवा मोर्चा अध्यक्ष विनीत तिवारी, युवा मोर्चा टीम ने उपस्थित होकर समाज में जागृति लानेका प्रयास किया।

निजीकरण के विरोध में उतरेंगे बिजली कर्मचारी

लखनऊ(उत्तरशक्ति)। बिजली कर्मचारियों ने ऐलान किया है कि निजीकरण की किसी भी एकतरफा कार्यवाही के विरोध में बैगर नोटिस दिये राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन किया जायेगा। ऑल इण्डिया पॉवर इंजीनियर्स फेडरेशन के चेयरमैन शैलेन्द्र दुबे ने बुधवार को यहां बताया कि नेशनल कोऑर्डिनेशन कमेटी ऑफ इलेक्ट्रिसिटी इम्प्लॉइज एण्ड इंजीनियर्स (एनसीसीओईईई) की राष्ट्रीय कार्यसमिति की लखनऊ में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया कि बिजली के निजीकरण की किसी भी एकतरफा कार्यवाही के विरोध में राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन उसी समय होगा। उन्होंने कहा कि 13 दिसम्बर एवं 19 दिसम्बर को निजीकरण के विरोध में देश भर में विरोध सभायें की जायेंगी जबकि 22 दिसम्बर को लखनऊ में और 25 दिसम्बर को चंडीगढ़ में निजीकरण के विरोध में विशाल बिजली पंचायत आयोजित की जायेंगी। एनसीसीओईईई की लखनऊ में हुई बैठक की अध्यक्षता इलेक्ट्रिसिटी इम्प्लॉइज फेडरेशन ऑफ इण्डिया के उपाध्यक्ष सुभाष लाम्बा ने की। बैठक में ऑल इण्डिया पॉवर इंजीनियर्स फेडरेशन के चेयरमैन शैलेन्द्र दुबे, सेक्रेटरी जनरल पी रत्नाकर राव, ऑल इण्डिया पॉवर डिप्लोमा इंजीनियर्स के अध्यक्ष आर के त्रिवेदी, ऑल इण्डिया फेडरेशन ऑफ इलेक्ट्रिसिटी इम्प्लॉईज के जनरल सेक्रेटरी मोहन शर्मा मुख्य रूप से उपस्थित थे। एनसीसीओईईई ने निर्णय लिया कि यदि उप्र में विद्युत वितरण निगमों के निजीकरण की कोई भी एकतरफा कार्यवाही प्रारम्भ की गयी तो उसी दिन बिना और कोई नोटिस दिये देश के तमाम 27 लाख बिजली कर्मी सड़कों पर उतरने के लिए बाध्य होंगे

काशी में धनाभिषेक, 17 करोड़ श्रद्धालु, टूरिज्म बमबम, कमाई 4500 करोड़ के पार

-सुरेश गांधी

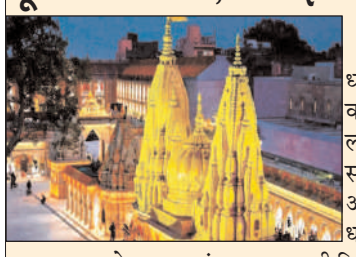

वाराणसी। श्रीकाशी विश्वनाथ धाम के लोकार्पण की तीसरी वर्षगांठ धूमधाम से मनाया जाने लगा है। तो दुसरी तरफ इन तीन सालों में काशी में दुनिया जहान से आएं भक्त दर्शन-पूजन के बीच धनाभिषेक कर काशीवासियों को मालामाल करते नजर आएं। यह सब काशी विश्वनाथ धाम के लोकार्पण, काशी के मजबूत हुए इंफ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी से संभव हो पाया है। या यूं कहे धार्मिक राजधानी काशी अब आर्थिक राजधानी बनने को अग्रसर है। सबसे अधिक पर्यटकों वाला शहर बन गया है। इसने आगरा व मथुरा को भी पीछे छोड़ दिया है, जहां वर्ष 2022 में 6.5 करोड़ पर्यटक पहुंचे थे। दिसंबर 2021 में काशी विश्वनाथ धाम उद्घाटन होने के बाद से अब तक लगभग 17.36 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। पांच लाख वर्ग फुट में फैला यह कॉरीडोर वाराणसी पर्यटन को बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रहा है। पर्यटकों की संख्या में भारी वृद्धि के पीछे अहम कारण काशी विश्वनाथ धाम के पुनर्विकास है, जिसमें गंगा क्रूज, विश्व प्रसिद्ध गंगा आरती, गंगा घाटों का सौंदर्य, काशी की सांस्कृतिक-आध्यात्मिक विरासत और बरसों पुरानी बुनाई की कला सम्मिलित है। काशी विश्वनाथ मंदिर ट्रस्ट के मुताबिक जब से मंदिर का पुनर्विकास हुआ है, हर रोज लगभग एक से डेढ़ लाख श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ के दर्शन-पूजन के लिए पहुंचते हैं। वहीं, सावन के महीने में यह संख्या बढ़कर 3 से 4 लाख और सोमवार को साढ़े 6 लाख से ज्यादा हो जाती है। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्र ने .बताया कि वर्ष 2023 (जनवरी से जून) तक 22979137 श्रद्धालुओं ने बाबा के दर्शन किये थे, जबकि 2024 में इस समयावधि के भीतर 33494933 श्रद्धालुओं ने बाबा के दर्शन किये थे, जबकि 2024 में इस समयावधि के भीतर 33494933 श्रद्धालुओं ने बाबा के दरबार मे हाजिरी लगाईयह पिछले वर्ष से 1 करोड़, 5 लाख 15 हजार ,796 (1,05,15,796) अधिक है. वहीं धाम के पास 2023 के पहले छमाही में 38,29,77,214 था जबकि, 2024 की प्रथम छमाही में आमदनी 47,74,13890 हो गई है. यह 9 करोड़ 44 लाख 36 हजार ,676 (9,44,36,676) अधिक है। फिरहाल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट श्रीकाशी विश्वनाथ धाम के लोकार्पण के बाद से वाराणसी की आर्थिक तस्वीर बदल कर रख दी है। ना सिर्फ में रोजगार के साधनों में वृद्धि हुई है, बल्कि यहां के ढांचागत सुविधाओं में भी व्यापक सुधार हुआ है। पर्यटकों की संख्या में अभूतपूर्व इजाफा हुआ है। 99 फीसदी लोग मानते है कि इस अवधि में न सिर्फ शहर के ढांचागत सुविधाओं में व्यापक सुधार हुआ है, बल्कि रोजगार का सृजन भी हुआ है। अकेले पर्यटन के क्षेत्र में सबसे ज्यादा 45 फीसदी रोजगार बढ़ा। इसके अलावा घाटों के प्रबंधन के कार्य में रोजगार बढ़े है। होटल मालिकों की आय में 75 फीसदी, दुकानदारों की आय में 50 फीसदी, ई-रिक्शा चालकों की आय में 35 फीसदी की बढ़ोत्तरी हुई है। टैक्सी ऑपरेटरों की आय में 25 फीसदी की वृद्धि आंकी गई है। नाविक, साड़ी व्यवसायी, पूजन समाग्री विक्रेता, गुलाबी मीनाकारी, शिल्प कारीगर, खाने-पीने के दुकानदारों के मुताबिक उनकी आय में पहले की तुलना में 55 फीसदी की वृद्धि हुई है। खास बात यह है कि काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन पहुंचे 99 फीसदी फीसदी श्रद्धालु सुगम-दर्शन से प्रभावित हैं।

स्नेहा दुबे ने विद्या विकासिनी विद्यालय में किया मुलाकात

वसई । वसई रोड के आमदार स्नेहा दुबे पंडित आज वसई पूर्व में विद्या विकासिनी विद्यालय में मुलाकात किया। स्कूल के शिक्षकों और छात्रों की ओर से एक अभिभावक और उनके प्रतिनिधि के रूप में स्कूल से जुड़ना उनके लिए वास्तव में खुशी की बात है। स्नेहा दुबे का बड़े उत्साह से स्वागत किया गया। उन्होंने छात्रों से भी बातचीत की और शिक्षकों और कर्मचारियों के साथ विभिन्न विषयों पर चर्चा की। मौके पर स्कूल की प्रिंसिपल सिस्टर डोंडेट्टी जॉन मैरी, सिस्टर मारिया दासू, ब्रदर. माइकल, भाई. महेश, भाई. येशु, गोपी मेनन, विनोद, रितेश उपस्थित थे।